डीआरडीओ समाचार

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

https://www.drdo.gov.in/samachar ISSN: 0971-4405 जून 2025 खण्ड 37 अंक 06

डीआरडीओ द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन

डीआरडीओ समाचार के ई-संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

मुख्य संपादक: किरण चौहान
सह मुख्य संपादक: सुधांशु भूषण
संपादक: दीप्ति अरोरा
सहायक संपादक: धर्म वीर
संपादकीय सहायक: रमन
अनुवादक: अनुराग कश्यप

प्रकाशन का 37वां वर्ष

जून 2025 खण्ड 37 अंक 06

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ गणेश एस धोले, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
बालासौर	:	श्री मृणाल गोस्वामी, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
		श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
बेंगलूरु	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई)
		श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
		श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर)
		डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक)
		डॉ संचिता सिल तथा डॉ सुधीर एस काम्बले, रक्षा जैव प्रौद्योगिकी और विद्युत चिकित्सकीय प्रयोगशाला (डेबेल)
		डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई)
		श्रीमती साइमा बशीर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई)
		सुश्री मीता जन, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल)
		डॉ अनुजा कुमारी, रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई)
चेन्नई	:	श्री के अंबाझगन, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री डी पी त्रिपाठी, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील)
		श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री विकास कश्यप, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केन्द्र (सेप्टम)
		श्री हेमंत कुमार, अग्नि, पर्यावरण तथा विस्फोटक सुरक्षा केंद्र (सीफीस)
		श्री संतोश कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर)
		श्रीमति अरुण कमल, डीपीए आर ओ एंड एम, डीआरडीओ मुख्यालय
		डॉ नवीन कुमार सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
		डॉ सुजाता दास, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा)
		श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी)
		डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ एम के मेघवंशी, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव–ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल)
		श्री श्रीनिवास जुलुरू, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल)
		श्री सीएच नरसिम्हाचारी, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)
		श्री एस शशी नाथ, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
जगदलपुर	:	श्री खिलावन सिंह, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	डॉ मोहीत कटियार, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	श्री सुनील भण्डारी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, जैव–रक्षा प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईबीटी)
नासिक	:	श्री आशुतोष शर्मा, ऊर्जस्वी पदार्थ उन्नत केंद्र (एसीईएम)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई)
		डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी)
		डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ के एस नखुरु, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)

इस अंक में

मुख्य लेख 4
नवोन्मेष 9

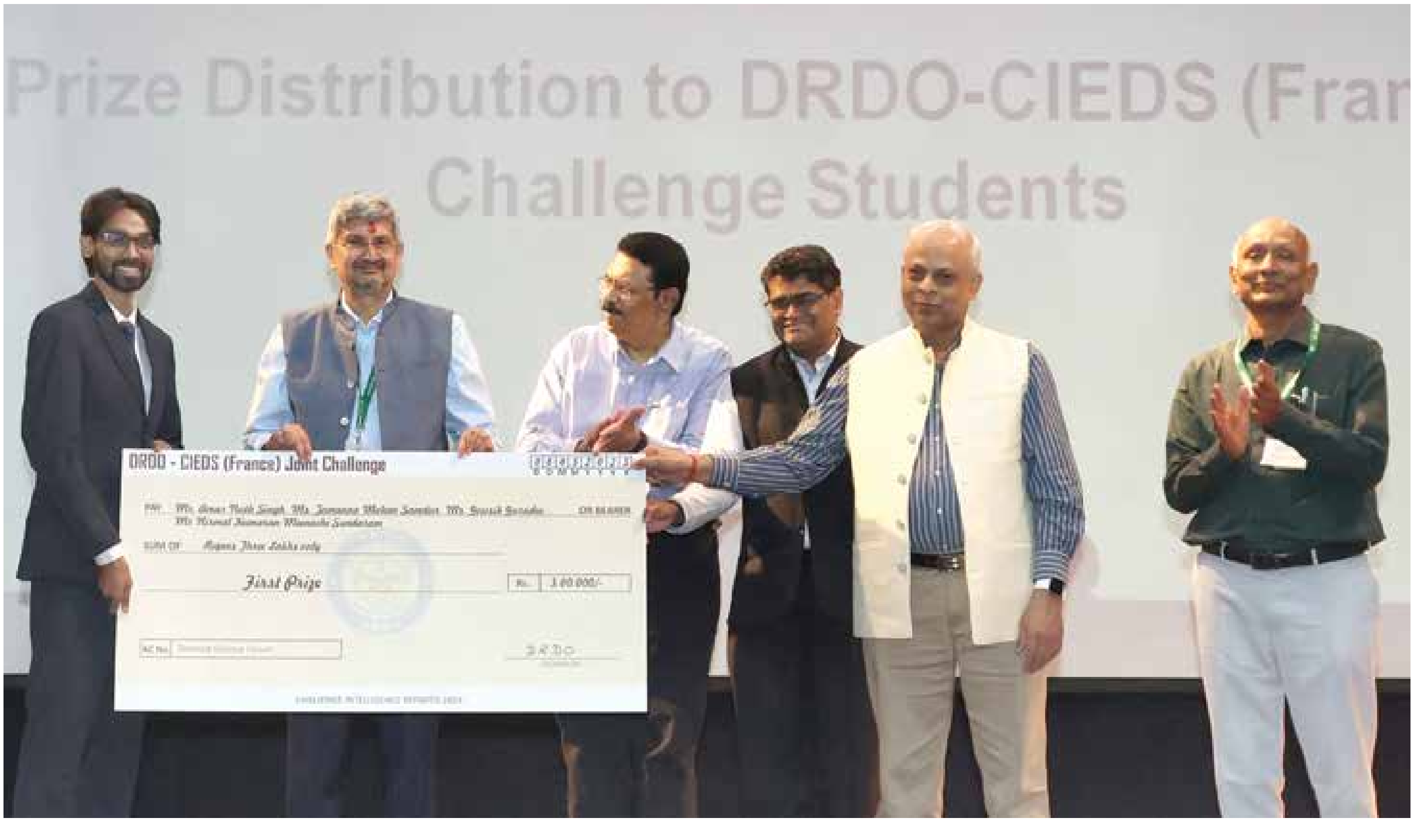

परीक्षण 11
प्रौद्योगिकी हस्तांतरण 13
अवसंरचना विकास 15
घटनाक्रम 17
मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप 24
राजभाषा गतिविधियाँ 29
कार्मिक समाचार 30
निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम 31

वर्तमान अंक, *DRDO Newsletter,* Vol 45, Issue 06, June 2025, का हिंदी अनुवाद है।

"एक विचार का मूल्य उसके उपयोग में निहित है।" - थॉमस एडिसन

डीआरडीओ द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन

रक्षा विज्ञान मंच, (डीएसएफ) डीआरडीओ ने 1998 में पोखरण में किए गए सफल परमाणु परीक्षणों की स्मृति में तथा राष्ट्रीय प्रगति में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका का जश्न मनाते हुए 8 मई 2025 को मेटकॉफ हाउस, दिल्ली में एक आकर्षक और प्रभावशाली कार्यक्रम के साथ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विचारात्मक संबोधन दिए गए, प्रमुख प्रकाशनों और पहलों का विमोचन किया गया, तथा उत्कृष्टता एवं नवाचार को मान्यता देते हुए प्रशस्ति प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने की, तथा इसमें महानिदेशक, निदेशक, अपर एफए, तथा आईएफए सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ अमित पात्रा, निदेशक आईआईटी बीएचयू ने ''सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण'' विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। इस संबोधन में सतत विकास और तकनीकी उन्नति को आगे बढ़ाने के लिए बहु–विषयक सहयोग तथा एकीकृत प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया गया।

माननीय अतिथि, डॉ शिवकुमार कल्याणरामन, सीईओ, अनुसंधान राष्ट्रीय शोध फाउंडेशन (एएनआरएफ) ने "अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में भारत का उदय" विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें वैश्विक अनुसंधान और विकास परिदृश्य में भारत के बढ़ते कद और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया, जो राष्ट्र को आगे बढ़ाएगा ।

इस अवसर के विशिष्ट अतिथि, श्री रमेश अरुणाचलम, इंटेलिजेंस आर्किटेक्ट–एआई एवं परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी, ने "राइज ऑफ इनेब्लिंग इंटेलिजेंस एंड इट्स एप्लीकेशन टू डिफेन्स" विषय पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की, जिसमें एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने में उनकी परिवर्तनकारी क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस वर्ष राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का विषय "YANTRA–युगांतर फॉर एडवांसिंग नई टेक्नोलॉजी, रिसर्च एंड एक्सेलरेशन" है। यंत्र शब्द, भारत की वैज्ञानिक और सांस्कृतिक विरासत में गहराई से निहित है, यह न केवल यांत्रिक सरलता का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि प्रतीकात्मक पावर–सिस्टम, सिनर्जी और स्केलेबल समाधानों का भी प्रतिनिधित्व करता है। युगांतर, जिसका अर्थ है एक युगांतरकारी बदलाव, प्रौद्योगिकी अनुकूलन से वैश्विक प्रौद्योगिकी नेतृत्व की ओर संक्रमण देश की गति का प्रतीक है।

इस कार्यक्रम में खरीद मैनुअल 2025 का विमोचन भी किया गया। इस मैनुअल को शामिल करने से रणनीतिक उत्पादों/प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी विकास और प्राप्ति को बढ़ावा मिलेगा। यह उद्योगों, स्टार्टअप्स, और एमएसएमई को खरीद करने वाली संस्थाओं के साथ मिलकर महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए एक प्रगति योग्य वातावरण में काम करने को बढ़ावा देगा, जिससे रक्षा में आत्मनिर्भरता हासिल करने के हमारे लक्ष्य को आगे बढ़ाया जा सकेगा। इस कार्यक्रम में STEC पैम्फलेट का भी विमोचन हुआ।

STEC दिशा–निर्देश विस्फोटकों की हैंडलिंग, भंडारण, और परिवहन से संबंधित विभिन्न विषयों पर 24 अलग–अलग STEC पैम्फलेट में संकलित किए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान टेक्नोलॉजी स्पेक्ट्रम, टेक्नोलॉजी फोकस, हिंदी पत्रिका ''अंतरिक्ष शक्ति'' तथा मोनोग्राफ ''माइक्रोवेव टेक्नोलॉजी का रक्षा क्षेत्र में अहम योगदान'' का भी विमोचन किया गया।

वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को उनके असाधारण कार्य एवं योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए, जिसमें उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को मान्यता दी गई।

डीएफटीएम, डीआरडीओ और इंटरडिसिप्लिनरी सेंटर फॉर डिफेंस एंड सिक्योरिटी (CIEDS) द्वारा एजेंसी डी इनोवेशन डी डिफेंस (AID), DGA, फ्रांस के सहयोग से देश में पहली बार, CEIDS चैलेंज (चैलेंज इंटेलिजेंस रिपार्टी 2024–25) का आयोजन किया गया। यह चैलेंज "बचाव मिशन के लिए ड्रोन स्वार्म की प्रोग्रामिंग" विषय पर केंद्रित था। प्रतियोगिता का उद्देश्य अज्ञात, दुष्कर स्थानों, और संभावित खतरनाक क्षेत्रों का पता लगाने के लिए एक विकेन्द्रीकृत ड्रोन नियंत्रण प्रणाली विकसित करना था।

मार्च 2025 में पेरिस में मूल्यांकन के अंतिम दौर में तीन टीमों ने देश का प्रतिनिधित्व किया। 'स्वार्म रेस्क्यू चैलेंज 24–25' में शीर्ष 3 स्थान हासिल करने वाले छात्रों की टीम को पुरस्कार दिए गए। इस असाधारण शोध के सम्मान में, डीएसएफ ने इस दिवस को चिह्नित करने के लिए तीन चयनित वैज्ञानिक वक्ताओं डॉ अमित कुमार गुप्ता, वैज्ञानिक 'एफ', आर एंड डीई (ई), पुणे; सुश्री देवनहल्ली सुनील अर्चना, वैज्ञानिक 'सी', आरसीआई, हैदराबाद; तथा श्री राहुल भट्ट, वैज्ञानिक 'एफ', चेस, हैदराबाद को पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया।

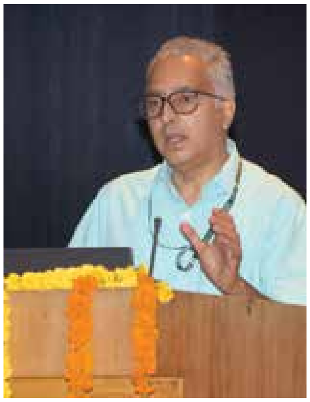

इस अवसर पर, गणमान्य व्यक्तियों ने डीआरडीओ के वैज्ञानिकों द्वारा दिए गए व्याख्यानों के संकलन, डीआरडीओ टेक्नोलॉजी स्पेक्ट्रम का विमोचन किया। गणमान्य व्यक्तियों ने ''माइक्रोवेव प्रौद्योगिकी का रक्षा क्षेत्र में अहम योगदान'' पर डीआरडीओ मोनोग्राफ भी जारी किया।

कार्यक्रम के दौरान डीएसपी, हैदराबाद की इन–हाउस पत्रिका ''अंतरिक्ष शक्ति'', ''डीआरडीओ में व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के लिए दिशानिर्देश'' (सीफीस), तथा ''टेक्नोलॉजी फोकस'' (डेसीडॉक) का भी विमोचन किया गया।

डीएसएफ के मुख्य सलाहकार और महानिदेशक (एसएसएस) डॉ यूके सिंह ने अतिथियों का परिचय दिया और संगठन की प्रगति में महत्वपूर्ण बढ़ोत्तरी की सराहना की, तथा इसकी सफलता के पीछे हो रहे निरंतर और केंद्रित प्रयासों पर प्रकाश डाला।

डीएसएफ की सदस्य सचिव और डीएफटीएम की निदेशक डॉ एन रंजना ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में तकनीकी उत्कृष्टता के प्रति संगठन के अटूट समर्पण की सराहना की, जिसने संगठन को नवाचार और परिणामों में अग्रणी के रूप में स्थापित किया है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस उत्सव वास्तव में एक असाधारण अवसर है, जो नवाचार और प्रगति की भावना को दर्शाता है तथा हमारी कार्य–शैली को परिभाषित करता है। यह कार्यक्रम प्रौद्योगिकी में हमारी उल्लेखनीय उपलब्धियों और क्षेत्र में उत्कृष्टता की हमारी निरंतर खोज को गर्व से प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

डीआरडीओ की निम्नलिखित प्रयोगशालाओं ने भी अपने–अपने स्थानों पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया:

एसीईएम, नासिक

ऊर्जस्वी पदार्थ उन्नत केंद्र (एसीईएम), नासिक ने 14 मई 2025 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अदापा मधुसूदन राव, वैज्ञानिक 'जी', जीडी (आरएंडक्यूए) डीआरडीएल, हैदराबाद उपस्थित थे। एसीईएम के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महाप्रबंधक श्री टीवी जगदीश्वर राव ने सभा को संबोधित किया और राष्ट्र के लिए प्रौद्योगिकी विकास के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने एसीईएम द्वारा अपनाई जा रही महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को रेखांकित किया, जो अगले दशक में देश के भविष्य को आकार देंगी। उन्होंने युवा वैज्ञानिकों को अनुसंधान एवं विकास को और अधिक गति देने और वैज्ञानिक चेतना में सुधार करने के लिए भी प्रेरित किया। श्री आशुतोष शर्मा ने भी सभा को संबोधित किया तथा प्रौद्योगिकी दिवस के महत्व और प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

इस कार्यक्रम में वर्ष 2024 के लिए वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन भी किया गया। श्री अनिकेत बी कुंभार, वैज्ञानिक 'बी' ने 'प्रोपेलेंट में हाइपर–इलास्टिक मॉडलिंग' तथा श्री अंकित देवल, तकनीकी अधिकारी 'ए' ने 'AI/ML तकनीक का उपयोग करके प्रोपेलेंट मिक्सिंग की निगरानी प्रक्रिया' विषय पर प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिए।

मुख्य अतिथि श्री राव ने "मिशन गुणवत्ता–एक आत्मनिरीक्षण" विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया। उन्होंने ANSP परियोजनाओं में शामिल सभी विकास प्रक्रियाओं की समीक्षा की तथा सीखे गए बोध पर चर्चा की।

डीएमआरएल, हैदराबाद

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 16 मई 2025 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ सरबजीत सिंह, वैज्ञानिक 'एफ' के स्वागत संबोधन के साथ हुई, जिन्होंने विशिष्ट वक्ता, श्री बी रामकृष्ण, वैज्ञानिक 'जी', सह निदेशक, डीएमआरएल का परिचय कराया। सत्र की अध्यक्षता डॉ आर बालामुरलीकृष्णन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमआरएल ने की। श्री रामकृष्ण ने "विभिन्न रक्षा और सामरिक अनुप्रयोगों के लिए कवच प्रौद्योगिकियों का विकास" शीर्षक से अपने व्याख्यान में भविष्य के दृष्टिकोणों सहित विभिन्न कवच समाधानों को साकार करने में अनुसंधान प्रयासों और उपलब्धियों के बारे में बात की। श्री रामकृष्ण ने Mi-17-IV हेलीकॉप्टरों, MBT अर्जुन Mk-1A, NGMBT, और WhAP जैसे महत्वपूर्ण रक्षा प्लेटफार्मों के लिए कवच समाधानों के सफल प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर जोर दिया। व्याख्यान को दर्शकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। डॉ बालामुरलीकृष्णन ने श्री रामकृष्ण को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किया।

इनमास , दिल्ली

डॉ हिमांशु ओझा, वैज्ञानिक 'एफ' ने 13 मई 2025 को नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली में 'पूर्णावर्तन (रीजेन): गोल्डन ऑवर्स के दौरान युद्ध के मैदान में दर्दनाक घावों को ठीक करने के लिए एक पोर्टेबल डिवाइस' विषय पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में, उन्होंने दर्दनाक घावों को तेजी से भरने के लिए एक पोर्टेबल डिवाइस के विकास की यात्रा को दिखाया। यह डिवाइस हाइब्रिड अवधारणा के साथ काम करती है, जो सामयिक ऑक्सीजन एक्सपोजर और ऋणात्मक दबाव चूषण तकनीकों का एक संयोजन है। इसमें कई अनूठी विशेषताएँ हैं, जैसे कि इसे चोट के स्थान पर तुरंत इस्तेमाल किया जा सकता है, इसकी पोर्टेबिलिटी और लागत–प्रभावशीलता। डिवाइस को प्रारंभिक डिजाइन समीक्षा और महत्वपूर्ण डिजाइन समीक्षा के साथ एक अंतरराष्ट्रीय नियामक अनुपालन के रूप में विकसित किया गया है। डॉ सुधीर चांदना, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, इनमास ने डॉ ओझा को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक और प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया।

आईआरडीई, देहरादून

13 मई 2025 को पोखरण परमाणु परीक्षण की वर्षगांठ मनाने के लिए यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून ने बड़े उत्साह के साथ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। श्री अनुराग कुमार श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'आईआरएसटी प्रौद्योगिकी' पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। उन्होंने आईआरडीई द्वारा विकसित की जा रही 'इन्फ्रारेड सर्च एंड ट्रैक' प्रौद्योगिकी के बारे में बताया। डॉ अजय कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईआरडीई ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने राजस्थान में भारतीय सेना के पोखरण परीक्षण रेंज में तीन परमाणु परीक्षणों के सफल संचालन में शामिल वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, इंजीनियरों, और अन्य सभी की सफलता और उपलब्धियों के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ अजय कुमार ने श्री श्रीवास्तव की सराहना की और उन्हें राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किया।

ईसा, दिल्ली

पध्दति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली ने 9 मई 2025 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। श्री ऑगनिव दासगुप्ता, वैज्ञानिक 'बी' ने 'टेम्पोरल कन्वोल्यूशन नेटवर्क का उपयोग करके डीप लर्निंग–आधारित चक्रवात प्रक्षेप पथ का पूर्वानुमान' विषय पर एक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में प्रयोगशाला के सभी कर्मचारी और अधिकारी शामिल हुए।

आईटीएम , मसूरी

14 मई 2025 को प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईटीएम), मसूरी में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। श्री सुनील भंडारी, वैज्ञानिक 'बी' ने सभा का स्वागत किया और इस दिन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं महत्व का संक्षिप्त विवरण दिया। श्री अक्षय लखनपाल, वैज्ञानिक 'डी' ने 'रैमजेट और स्क्रैमजेटः तकनीकी रुझान और एयरब्रीथिंग मिसाइल प्रणोदन के भविष्य का पूर्वानुमान' विषय पर एक व्याख्यान दिया। श्री लखनपाल ने देश में वायु–श्वसन मिसाइल प्रणोदन प्रणालियों की वर्तमान स्थिति और आगे के पथ पर प्रकाश डाला। आईटीएम के निदेशक श्री एसपी डोभाल ने भी सभा को संबोधित किया और राष्ट्र को प्रौद्योगिकी अनुकूलन से प्रौद्योगिकी नेतृत्व की ओर अग्रसर करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को इस वर्ष की थीम से प्रासंगिक बताया। कार्यक्रम का समापन डॉ ए गौरव राव, समुह प्रमुख, डीएस के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

एलआरडीई, बेंगलुरु

9 मई 2025 को इलेक्ट्रोनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), बेंगलुरु में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में, श्री पझानिवेल एस, वैज्ञानिक 'जी' ने 'लड़ाकू विमानों में उपयोग होने वाले एयरबोर्न रडार के यांत्रिक डिजाइन और विकास में तकनीकी चुनौतियां' विषय पर एक व्याख्यान दिया। उन्हें एलआरडीई के निदेशक द्वारा पदक और प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर

श्री गमपाला विश्वम, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एलआरडीई ने समारोह की अध्यक्षता की और उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए इस दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा एलआरडीई द्वारा की गई महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियों और योगदानों पर प्रकाश डाला।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ में 9 मई 2025 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया गया। श्री सत्येंद्र कुमार खुंटे, वैज्ञानिक 'डी' ने 'भविष्य के अंतर्जलीय प्लेटफॉर्मों के लिए वेल्डिंग तकनीकः चुनौतियां, नवाचार, और संरक्षण' विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ सुमन रॉय चौधरी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल ने श्री खुंटे को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। डॉ चौधरी ने एनएमआरएल कर्मचारियों को संबोधित करते हुए विदेशी देशों पर निर्भरता कम करने की बात की और कहा की रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए भारत के भीतर ही प्रौद्योगिकियों का विकास बढ़ाया जाये। उन्होंने एनएमआरएल वैज्ञानिकों को डीआरडीओ परियोजनाओं में व्यवस्थित योजना अपनाने और कठोर निष्पादन के लिए प्रोत्साहित किया ताकि उपयोगकर्ताओं को उत्पादों की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित की जा सके।

एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने देश में तकनीकी प्रगति को चिह्नित करने के लिए 13 मई 2025 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। डॉ अरुणकुमार केपी, वैज्ञानिक 'जी' द्वारा 'चिरपिंग को देखनाः ध्वनिक प्रतिबिम्बन हेतु उन्नत सोनार तकनीक' विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान में इकोलोकेटिंग डॉल्फिन्स से लेकर आधुनिक उच्च–प्रदर्शन सोनार तक सब कुछ शामिल था। यह व्याख्यान ध्वनिकी की क्षेत्र में भारतीय प्रगति को अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ता है, जिसमें बताया गया है कि कैसे चिर्प–आधारित सोनार तकनीकें हमारे वैज्ञानिक अन्वेषण और समुद्री सुरक्षा के लिए अंतर्जलीय प्रतिबिम्बन को नया रूप दे रही हैं। व्याख्यान एनपीओएल द्वारा हाल ही में की गई तीन तकनीकी प्रगति में वाइडबैंड ध्वनिक चिर्प संकेतों के उपयोग को उजागर करता हैः (i) समुद्र तल के नीचे दबी वस्तुओं की पहचान और उनका पता लगाने के लिए निम्न आवृत्ति इमेजिंग सोनार, (ii) उच्च आवृत्ति इमेजिंग सोनार, और (iii) अंतर्जलीय संचार और ध्वनिक स्थिति निर्धारण सोनार। व्याख्यान भविष्य के सोनार प्रणाली में चिर्प की भूमिका पर चर्चा के साथ समाप्त हुआ। डॉ डी शेषागिरी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनपीओएल ने वक्ता को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक और प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

12 मई 2025 को नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया गया। कोच्चि वाटर मेट्रो लिमिटेड, कोच्चि के मुख्य परिचालन अधिकारी श्री साजन पी जॉन मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरुआत श्री के श्रीकांत, वैज्ञानिक 'एफ' और एनटीडीसी–2025 के अध्यक्ष के स्वागत संबोधन से हुई। डॉ अब्राहम वर्गीस, वैज्ञानिक 'एफ' एवं निदेशक, एनएसटीएल ने अपने संबोधन में कहा कि यदि तकनीकी प्रगति का अधिकतम उपयोग किया जाए तो राष्ट्र को और मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने एनएसटीएल परिवार से स्वदेशी, तकनीकी रूप से उन्नत अंतर्जलीय प्रणाली विकसित करने की दिशा में स्मार्ट और अभिनव तरीके से काम करने का आग्रह किया। मुख्य अतिथि श्री जॉन ने कहा कि प्रौद्योगिकी और इसकी प्रगति भविष्य की विभिन्न चुनौतियों का समाधान है। उन्होंने कोच्चि वाटर मेट्रो की शुरुआत से लेकर साकार होने तक का विवरण प्रस्तुत किया। श्री खगेश कुमार चौधरी, वैज्ञानिक 'ई' द्वारा 'युद्ध पोत की कॉम्पैक्ट सुरंग में गैस टरबाइन एक्सहॉस्ट का तापीय निरोध' विषय पर व्याख्यान दिया गया। इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट वैज्ञानिक डॉ एचएन दास, श्रीमती डीआर राजेश्वरी देवी, वैज्ञानिक 'जी', अधिकारीगण, कर्मचारीगण, तथा एनएसटीएल सिविल कर्मचारी के अध्यक्ष श्री ए सुनील ने भाग लिया।

डीएमएसआरडीई द्वारा समुद्री जल विलवणीकरण के लिए उच्च दाब पॉलीमेरिक झिल्ली विकसित की गई

रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई) कानपुर, डीआरडीओ की एक प्रमुख प्रयोगशाला है जो गैर–धात्विक सामग्रियों के अनुसंधान एवं विकास में लगी हुई है। प्रयोगशाला ने उन्नत सामग्री प्रौद्योगिकियों की एक श्रृंखला विकसित की है। उन्नत सामग्रियों और उत्पादों में इसकी उपलब्धियों में से एक हाल ही में समुद्री जल के विलवणीकरण के लिए स्वदेशी उच्चदाब विलवणीकरण झिल्ली का विकास है। पिछले साल, 18 जुलाई 2024 को, भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के उप महानिदेशक एचके शर्मा ने अपनी टीम के साथ डीएमएसआरडीई का दौरा किया था और उच्च दाब विलवणीकरण झिल्ली की आवश्यकता जताई थी।

डीएमएसआरडीई द्वारा चुनौती स्वीकार की गयी और तटरक्षक मुख्यालय (सीजीएचक्यू) की परिचालन आवश्यकताओं के आधार पर आईसीजी जहाजों में विलवणीकरण संयंत्रों के लिए झिल्ली के स्वदेशी विकास के लिए व्यवहार्यता अध्ययन किया गया। डीएमएसआरडीई ने खारे पानी में क्लोराइड आयनों के संपर्क में आने पर स्थायित्व की गंभीर चुनौती को दूर करने के लिए उच्च दबाव वाले समुद्री जल विलवणीकरण के लिए एक नैनोपोरस बहुपरतीय बहुलक झिल्ली विकसित की है। इस अनुसंधान एवं विकास का नेतृत्व डॉ देबमाल्या रॉय, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख, नैनोसाइंस एवं कोटिंग प्रभाग ने किया। डॉ सुभाष मंडल, वैज्ञानिक 'ई', श्री रजत झा, वैज्ञानिक 'बी', तथा श्री आदित्य वेश, तकनीकी अधिकारी 'सी' सहित टीम ने इस झिल्ली का सफल विकास किया। अनुसंधान एवं विकास 8 महीने के रिकॉर्ड समय में पूरा हुआ। डीएमएसआरडीई ने आईसीजी के साथ मिलकर आईसीजी के ऑफशोर पेट्रोलिंग व्हीकल (ओपीवी) के मौजूदा विलवणीकरण संयंत्र में सफलतापूर्वक तकनीकी परीक्षण किए। डीएमएसआरडीई द्वारा विकसित बहुलक झिल्लियों के प्रारंभिक सुरक्षा और प्रदर्शन परीक्षण आईसीजी की परिचालन आवश्यकता के संबंध में पूरी तरह से संतोषजनक हैं। इस परीक्षण में 99% की लवण उन्मूलन दक्षता हासिल की गई, जिससे फीडस्टॉक समुद्री जल की चालकता 60 बार के दबाव पर 55,000 μS/cm से घटकर 395 μS/cm हो गई और प्रतिदिन 18.5 टन उत्पादन हुआ। कुछ संशोधनों के बाद यह झिल्ली तटीय क्षेत्रों में समुद्री जल के विलवणीकरण के लिए वरदान साबित होगी। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में डीएमएसआरडीई द्वारा उठाया गया एक और कदम है।

डीआरडीओ ने स्क्रैमजेट इंजन के विकास में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की

1,000 सेकंड से अधिक समय तक एक्टिव कूल्ड स्क्रैमजेट सबस्केल कॉम्बस्टर का ग्राउंड परीक्षण किया

रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद ने हाइपरसोनिक हथियार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल की है। डीआरडीएल ने 25 अप्रैल, 2025 को हैदराबाद में नवनिर्मित अत्याधुनिक स्क्रैमजेट कनेक्ट टेस्ट सुविधा में 1,000 सेकंड से अधिक समय तक एक्टिव कूल्ड स्क्रैमजेट सबस्केल कॉम्बस्टर का ग्राउंड परीक्षण किया।

यह ग्राउंड परीक्षण जनवरी 2025 में 120 सेकंड के लिए किए गए पहले परीक्षण की निरंतरता है। सफल परीक्षण के साथ, सिस्टम जल्द ही पूर्ण पैमाने पर, उड़ान–योग्य कॉम्बस्टर परीक्षण के लिए तैयार हो जाएगा।

हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलें हथियारों का एक ऐसा वर्ग है जो ध्वनि की गति से पांच गुना अधिक (>6100 किमी प्रति घंटा) की लंबी अवधि तक यात्रा कर सकती हैं और वायु–श्वशन इंजन द्वारा संचालित होती हैं। वायु–श्वशन प्रणोदन प्रणाली, जिसमें सुपरसोनिक दहन होता है, लंबी अवधि की स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह परीक्षण लंबी अवधि के स्क्रैमजेट दहन ताप के डिजाइन के साथ–साथ परीक्षण सुविधा को भी मान्य करता है। यह उद्योग और शिक्षाविदों के साथ–साथ डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा किए गए एकीकृत प्रयास का परिणाम है और देश के हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल विकास कार्यक्रम के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा।

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए डीआरडीओ, उद्योग भागीदारों और शिक्षाविदों को बधाई दी। उन्होंने इस सफलता को देश में महत्वपूर्ण हाइपरसोनिक हथियार प्रौद्योगिकियों को साकार करने के सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब बताया।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने महानिदेशक (मिसाइल एवं सामरिक प्रणाली) श्री यू राजा बाबू; डीआरडीएल के निदेशक डॉ जीए श्रीनिवास मूर्ति; और पूरी टीम को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए 1,000 सेकंड से अधिक समय तक सुपरसोनिक दहन ताप का प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी।

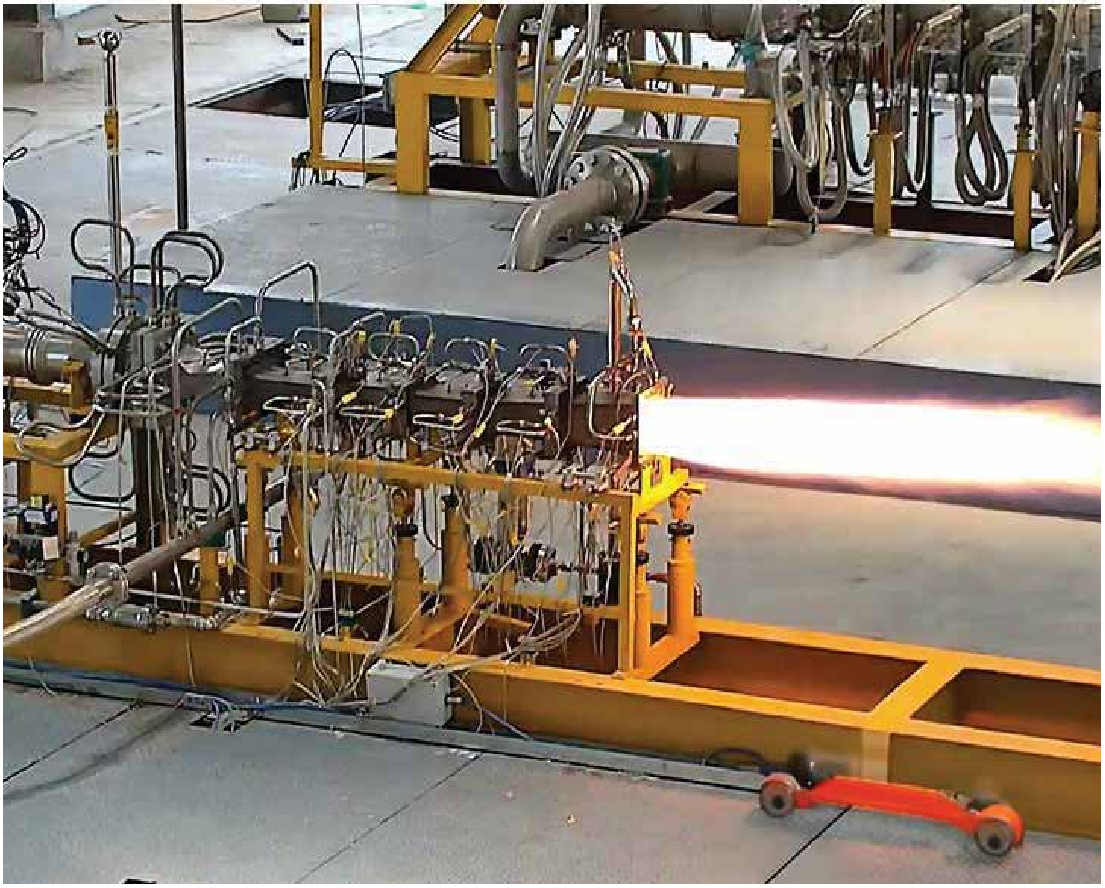

मल्टी-इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (MIGM) के युद्ध परीक्षण

मल्टी–इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (MIGM), नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम द्वारा डिजाइन एवं विकसित एक उन्नत अंतर्जलीय नेवल सी माइन है। यह जहाजों या पनडुब्बियों का पता लगाने, पहचान करने, और विस्फोट करने के लिए मल्टी–इन्फ्लुएंस संवेदक से सुसज्जित है। एडवांस्ड माइन एम्बेडेड कंप्यूटिंग सिस्टम (AMECS), जो एक टारगेट डिटेक्शन डिवाइस (TDD) जैसे ऑनबोर्ड इलेक्ट्रॉनिक्स से सुसज्जित है। टारगेट डिटेक्शन डिवाइस विद्युत की खपत को अनुकूलित करने के लिए मल्टी–प्रोसेसर आर्किटेक्चर के साथ अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करता है। एनएसटीएल में इन–हाउस विकसित यह प्राणली समय–सीमाबद्ध मल्टी–सेंसर डेटा फ्यूजन से युक्त है और यह टन भार के आधार पर लक्ष्यों को वर्गीकृत कर सकता है और एक विशिष्ट लक्ष्य पर फायर कर सकता है। MIGM चंडीगढ़ स्थित चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला द्वारा डिजाइन और विकसित EBW एक्सप्लोडर से सुसज्जित है, तथा इसमें पुणे स्थित उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल) द्वारा विकसित विस्फोटकों का उपयोग किया गया है। परिचालन परिदृश्यों में रक्षात्मक और आक्रामक माइनिंग स्थितियाँ दोनों शामिल हैं।

स्थितिः

- MIGM को भारतीय उद्योग भागीदारों के सहयोग से विकसित किया गया है।
- MIGM ने यूजर एसोसिएट परीक्षण पूरे कर लिए हैं तथा यूजर इवैल्यूएशन परीक्षण पूरा होने के करीब है। भारतीय नौसेना ने MIGM की खरीद के लिए एओएन शुरू कर दिया है।
- यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल के भाग के रूप में, MIGM (कम विस्फोटक के साथ) की लड़ाकू फायरिंग सफलतापूर्वक पूरी की गई।

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर डीआरडीओ, भारतीय नौसेना और उद्योग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली भारतीय नौसेना की समुद्र के भीतर युद्ध क्षमताओं को और बढ़ाएगी।

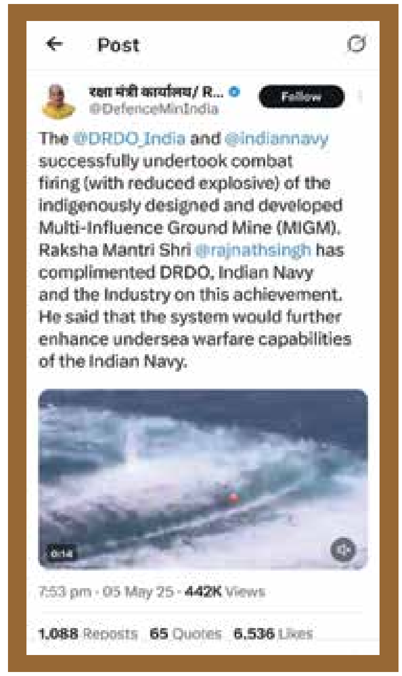

डीआरडीओ ने स्ट्रैटोस्फेरिक एयरशिप प्लेटफॉर्म का पहला उड़ान परीक्षण किया

डीआरडीओ ने 03 मई, 2025 को मध्य प्रदेश के श्योपुर परीक्षण स्थल से स्ट्रैटोस्फेरिक एयरशिप प्लेटफॉर्म का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया। हवाई डिलीवरी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एडीआरडीई), आगरा द्वारा विकसित इस एयरशिप को लगभग 17 किमी की ऊंचाई पर एक इंस्ट्रूमेंटल पेलोड ले जाते हुए लॉन्च किया गया।

ऑनबोर्ड संवेदक से डेटा प्राप्त किया गया और इसका उपयोग भविष्य की उच्च ऊंचाई वाली एयरशिप उड़ानों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले फिडेलिटी सिमुलेशन मॉडल के विकास के लिए किया जाएगा।

उनके प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए उड़ान में एनवेलप प्रेशर कण्ट्रोल और आपातकालीन अपस्फीति प्रणाली तैनात की गई थी। परीक्षण दल ने आगे दोबारा जांच के लिए प्रणाली को पुनः प्राप्त कर लिया। उड़ान की कुल अवधि लगभग 62 मिनट थी।

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने प्रणाली के सफल पहले उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ को बधाई दी है।

उन्होंने कहा कि यह प्रणाली भारत की पृथ्वी अवलोकन और खुफिया, निगरानी एवं टोही क्षमताओं को विशिष्ट रूप से बढ़ाएगी, जिससे भारत दुनिया के

उन कुछ एक देशों में से एक बन जाएगा जिनके पास ऐसी स्वदेशी क्षमताएं हैं।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने प्रणाली के डिजाइन, विकास और परीक्षण में शामिल डीआरडीओ टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रोटोटाइप परिक्षण हवा से भी हल्के उच्च ऊंचाई वाले प्लेटफॉर्म प्रणाली को साकार करने की दिशा में एक मील का पत्थर है जो समताप मंडल की ऊंचाइयों पर बहुत लंबे समय तक हवा में रह सकता है।

डीएमआरएल ने उद्योग जगत को महत्वपूर्ण रेडोम तकनीक हस्तांतरित की

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद जो धातु विज्ञान और सामग्री विज्ञान में विशेषज्ञता रखने वाली डीआरडीओ की एक प्रमुख अनुसंधान सुविधा है, ने उद्योग भागीदारों को एक उन्नत सामग्री प्रौद्योगिकी, 'कोल्ड आइसोस्टेटिक प्रेसिंग और सिंटरिंग रूट का उपयोग कर फ्यूज्ड सिलिका रेडोम का निर्माण' को सफलतापूर्वक हस्तांतरित किया है। यह एक मील का पत्थर है और रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए स्वदेशी सामग्री प्रौद्योगिकी में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

यह तकनीक उपयोगकर्ता को कोल्ड आइसोस्टेटिक प्रेसिंग (CIP) सिंटरिंग तकनीक के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले फ्यूज्ड सिलिका रेडोम जो की मिसाइल सेंसर के लिए सुरक्षात्मक कवर है, का उत्पादन करने में सक्षम बनाती है। उच्च उपज, बेहतर विद्युत चुम्बकीय एवं यांत्रिक गुण, और बेहतर प्रदर्शन के लिए ऊष्मा प्रतिरोध इस तकनीक की अन्य मुख्य विशेषताएं हैं। इसे सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है और बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए तैयार है, यह प्रमुख रक्षा कार्यक्रमों का समर्थन करता है, और मिसाइल प्रणालियों में आत्मनिर्भरता बढ़ाता है। इस तकनीक के लिए भारतीय पेटेंट आवेदन (संख्याः 201611032025) भी दाखिल किया गया है।

औपचारिक टीओटी समारोह 1 मई 2025 को डीएमआरएल, हैदराबाद में आयोजित किया गया, जहाँ डॉ आरवी हारा प्रसाद, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएसएम), तथा डॉ आर बालामुरलीकृष्णन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमआरएल ने आधिकारिक तौर पर मेसर्स कैरोल जिरकोलाइट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री पार्थ पटेल तथा श्री अमृत आई पटेल को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए लाइसेंसिंग समझौते (एलएटीओटी) का दस्तावेज सौंपा।

डॉ प्रसाद ने अनुसंधान एवं विकास प्रक्रिया और सफल प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ावा देने वाले प्रयासों की सराहना की। उन्होंने उद्योग–अनुसंधान साझेदारी को बढ़ावा देने और तकनीकी नवाचारों को आगे बढ़ाने के लिए डीएमआरएल की प्रतिबद्धता की सराहना की, जिससे भविष्य में काफी प्रभाव पड़ेगा।

उद्योग भागीदारों ने अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को बढ़ाने और देश की तकनीकी प्रगति में योगदान देने वाले इस तकनीक का लाभ उठाने में अपना उत्साह और विश्वास व्यक्त किया।

यह प्रौद्योगिकी हस्तांतरण आत्मनिर्भरता को सामर्थ्य देने और विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ने की दिशा में डीएमआरएल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

डीएसटी और डीआरडीओ ने भूमि-आधारित स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस को मजबूत करने के लिए हाथ मिलाया

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के एक संस्थान ने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ साझेदारी के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, ताकि आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जर्वेशनल साइंसेज (ARIES) में अवलोकन सुविधाओं और अंतरिक्ष की खोज में डीआरडीओ की वैज्ञानिक विशेषज्ञता का लाभ उठाकर भूमि आधारित स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस (SSA) में भारत की क्षमताओं को मजबूत किया जा सके।

डीएसटी के एक स्वायत्त संस्थान ARIES, नैनीताल और डीआरडीओ की प्रयोगशाला यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून के बीच 13 मई 2025 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ARIES के निदेशक डॉ मनीष कुमार नाजा तथा आईआरडीई के निदेशक डॉ अजय कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

ARIES खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी, और वायुमंडलीय विज्ञान के क्षेत्र में एक प्रमुख शोध संस्थान है और यह 3.6 मीटर देवस्थल ऑप्टिकल टेलीस्कोप और एसटी रडार प्रणाली सहित अत्याधुनिक राष्ट्रीय अवलोकन सुविधाओं से युक्त है।

आईआरडीई एक अग्रणी संस्थान है जो सशस्त्र बलों के लिए जमीन, नौसेना, हवाई, और अंतरिक्ष प्लेटफार्मों पर इलेक्ट्रो–ऑप्टिकल निगरानी प्रणालियों के डिजाइन और विकास में लगा हुआ है।

समझौते के दायरे में अंतरिक्ष वस्तुओं पर निगरानी और डेटा अधिग्रहण के लिए ARIES में अवलोकन सुविधाओं का उपयोग, खगोल विज्ञान और एसएसए अनुप्रयोगों के लिए इलेक्ट्रो–ऑप्टिक्स–आधारित प्रणालियों को संयुक्त रूप से विकसित करना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग (AI/ML) को एकीकृत करके छवि प्रसंस्करण और डेटा विश्लेषण तकनीकों का विकास करना, ज्ञान का आदान–प्रदान, प्रशिक्षण गतिविधियाँ और वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुसंधान और विकास के माध्यम से क्षमता निर्माण शामिल हैं।

लघु स्टर्लिंग क्रायोकूलर के लिए स्वदेशी तकनीक को विशेष उपकरण कार्यशाला (बीएसएफ) को सौंपा गया

ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल), दिल्ली ने 19 मई 2025 को हैंडहेल्ड थर्मल इमेजर्स (एचएचटीआइ) में लघु स्टर्लिंग क्रायोकूलर के लिए स्वदेशी रूप से विकसित ''हीलियम गैस रिफिलिंग मॉड्यूल'' को विशेष उपकरण कार्यशाला (एसआईडब्ल्यू), बीएसएफ को सौंप दिया। यह सुविधा अपटाइम को बढ़ाएगी, उपकरण के जीवनकाल को बढ़ाएगी और टर्नअराउंड समय को कम करेगी, सीमा निगरानी सुनिश्चित करेगी, और परिचालन लागत को कम करेगी।

सेप्टेम के अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र का शिलान्यास समारोह

दिल्ली स्थित कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेप्टेम) ने डीआरटीसी और डीआरडीओ के प्रशासनिक एवं संबद्ध संवर्ग के लिए अपने अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र का शिलान्यास समारोह मेटकॉफ हाउस कॉम्प्लेक्स, दिल्ली में आयोजित किया। डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ ने औपचारिक आधारशिला रखी। उन्होंने डीआरडीओ के लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने में निरंतर सीखने और नवाचार के महत्व पर चर्चा दिया।

इस अवसर पर डीआरडीओ के गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति ने चार चांद लगा दिए, जिनमें डॉ यू के सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसएसएस); श्री लाल चंद मंगल, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (टीएम); श्रीमती यू जेया संथी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर); डॉ (श्रीमती) चंद्रिका कौशिक, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (पीसी एंड एसआई); डॉ मनु कोरुल्ला, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (आरएंडएम); सेप्टेम के अध्यक्ष डॉ मनोरंजन पत्री; सेप्टेम की निदेशक श्रीमती सुनीता वढेरा; डीसीडब्ल्यूएंडई के निदेशक डॉ बी चौबे; आईएफए (आरएंडडी) श्री संगीत; तथा सीसीई (आरएंडडी), दिल्ली श्री बीके सिंह, डीआरडीओ मुख्यालय और विभिन्न स्थानीय प्रयोगशालाओं एवं प्रतिष्ठानों के निदेशकों एवं अन्य डीआरडीओ अधिकारी शामिल थे। सीसीई (आरएंडडी), दिल्ली आगामी सुविधा के विकास की देखरेख करेंगे।

सेप्टेम की निदेशक ने चल रहे विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशिक्षणों का उल्लेख करते हुए केंद्र की आवश्यकता पर प्रकाश डाला तथा क्षमता निर्माण एवं कौशल संवर्धन में सेप्टेम की उभरती भूमिका को सबके सामने रखा। उन्होंने सभी गणमान्य व्यक्तियों और अतिथियों को उनकी विशिष्ट उपस्थिति और अटूट समर्थन के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

चेन्नई में ऑटोमोटिव एवं हथियार प्रणाली परीक्षण केंद्र का उद्‌घाटन

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 17 मई 2025 को चेन्नई स्थित संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास संस्थापन (सीवीआरडीई) का दौरा किया तथा वेल्लनूर, अवडी में ऑटोमोटिव एवं हथियार प्रणाली परीक्षण केंद्र (एडब्ल्यूटीसी) का उद्‌घाटन किया। डॉ प्रतीक किशोर, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई); डॉ मनु कोरुल्ला, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (आरएंडएम); श्री जे राजेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सीवीआरडीई; डॉ बिश्वजीत चौबे, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक, डीसीडब्ल्यूइ; तथा श्री संजय द्विवेदी, सीएमडी, एवीएनएल ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। एडब्ल्यूटीसी, जिसमें 26 विभिन्न प्रकार के ट्रैक हैं, ट्रैक किए गए बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों के संपूर्ण ऑटोमोटिव प्रदर्शन मापदंडों का परीक्षण करने में मदद करेगा। इस परीक्षण केंद्र पर निम्न वास्तविक फायरिंग के साथ हथियार प्रणाली के प्रदर्शन का भी परीक्षण किया जा सकता है। ये प्रदर्शन परीक्षण सीवीआरडीई या किसी अन्य डिजाइनिंग एजेंसी द्वारा डिजाइन किए गए तथा ट्रैक किए गए वाहनों को फील्ड रेंज में उपयोगकर्ता परीक्षणों के लिए पेश किए जाने से पहले उनकी विश्वसनीयता के लिए जांचने में सक्षम बनाएंगे। इसके अलावा, गणमान्य व्यक्तियों ने सीवीआरडीई परिसर में भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के स्मारक का अनावरण भी किया और उनकी प्रतिमा

पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान इंजन परीक्षण केंद्र का उद्घाटन किया गया और परीक्षण सुविधाओं की विभिन्न विशेषताओं के बारे में डीआरडीओ प्रतिनिधियों को जानकारी दी गई। इसके बाद, डीआरडीओ अध्यक्ष ने सीवीआरडीई की चल रही परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों के लिए जटिल तकनीकों पर ध्यान केंद्रित रखने और पावर पावरपैक्स पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

डीआरडीओ ने अग्रिम रेलगन अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए विद्युत चुम्बकीय प्रक्षेपण प्रौद्योगिकी केंद्र का उद्घाटन किया

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने विद्युत चुम्बकीय प्रक्षेपण प्रौद्योगिकी केंद्र (CEMaLT) का उद्घाटन किया, जो विद्युत चुम्बकीय रेलगन प्रौद्योगिकी पर भविष्य के अनुसंधान और इससे संबंधित उप–प्रणालियों के विकास के प्रति समर्पित एक अत्याधुनिक अवसंरचना सुविधा है।

उद्घाटन समारोह डीआरडीओ के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया, जिसमें प्रोफेसर प्रतीक किशोर, महानिदेशक (आयुध एवं युद्ध इंजीनियरिंग); डॉ मनु कोरुल्ला, महानिदेशक (आरएंडएम); श्रीमती चंद्रिका कौशिक, महानिदेशक (पीसीएंडएसआई); तथा श्री ए राजू, निदेशक, एआरडीई शामिल थे।

नए स्थापित केंद्र का उद्देश्य विद्युत चुम्बकीय रेलगन प्रौद्योगिकी में भारत की क्षमताओं को बढ़ावा देना है, जिससे पारंपरिक प्रणोदकों के उपयोग के बिना हाइपरसोनिक वेगों पर प्रक्षेप्यों को लॉन्च करने में सफलता पायी जा सके। इस अभूतपूर्व तकनीक से भारतीय सेना और नौसेना की भविष्य की युद्ध क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

CEMaLT की स्थापना डीआरडीओ की अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों की खोज में एक प्रमुख मील का पत्थर है, जो भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता और आधुनिकीकरण की रणनीतिक दृष्टि के साथ संरेखित है।

क्षितिज 2.0-डील में ईसीएस क्लस्टर के परियोजना निदेशकों का सम्मेलन

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून ने 29 अप्रैल 2025 से 1 मई 2025 के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रणाली (ईसीएस) क्लस्टर के परियोजना निदेशकों के सम्मेलन के दूसरे संस्करण क्षितिज 2.0 का आयोजन किया। डॉ बीके दास, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (ईसीएस) ने सम्मेलन का उद्घाटन किया और अपने उद्घाटन संबोधन में सभी परियोजना निदेशकों को प्रौद्योगिकी को डिजाइन करने से पहले एक उपयोगकर्ता की तरह सोचने और पीछा करने वालों के बजाय निर्माता बनने के लिए प्रेरित किया और कहा कि समय सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति है तथा योजना बनाना किसी परियोजना की सफलता के लिए सबसे महत्वपूर्ण हथियार है।

सम्मेलन ने परियोजना निदेशकों को ज्ञान साझा करने, उभरते रुझानों के बारे में जानने, परियोजना प्रबंधन क्षमताओं में निरंतर सुधार और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में उद्योगों और विशेषज्ञ शिक्षाविदों के साथ बातचीत करने के लिए एक मंच प्रदान किया। इसके अलावा, सम्मेलन में संगठनात्मक व्यवहार के मुद्दों और लेखा परीक्षा से संबंधित मामलों के प्रबंधन पर चर्चा की गई।

सम्मेलन के दौरान, BEL को L/S बैंड डिजिटल ट्रोपोस्कैटर संचार प्रणाली तथा मेसर्स एचएफसीएल को कॉम्पैक्ट ट्रोपोस्कैटर संचार के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौता सौंपा गया।

सम्मेलन के अंत में, सभी उपस्थित लोगों द्वारा पहलगाम पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी गई।

आईआरडीई में डीआरडीओ युवा वैज्ञानिक सम्मेलन 2025

यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून तथा मानव संसाधन विकास निदेशालय (DHRD) ने संयुक्त रूप से 7–9 मई 2025 के दौरान आईआरडीई में तीन दिवसीय डीआरडीओ युवा वैज्ञानिक सम्मेलन (YSM) का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील) के वैज्ञानिक भी शामिल थे। यह डीआरडीओ YSM का 11वां संस्करण था, जिसका मुख्य विषय था "हमारा विकास साथ–साथ" और उप–विषय था 'अग्रसर', जो गतिशील और निरंतर बढ़ते दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने के विचार को पुर्नस्थापित करता है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने किया। डॉ बीके दास, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (ECS), तथा श्रीमती यू जेया संथी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर) ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम में डीआरडीओ की सभी प्रयोगशालाओं और डीआरडीओ युवा वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं के कुल 203 युवा वैज्ञानिकों ने भाग लिया। श्री हर्षप्रीत सिंह भाटिया, वैज्ञानिक 'डी' एवं YSM 2025 के समन्वयक ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें YSM 2025 के दौरान नियोजित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। YSM का उद्देश्य डीआरडीओ के युवा वैज्ञानिकों के बीच भाईचारे को बढ़ावा देना और अकादमिक एवं वैज्ञानिक दुनिया की प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान करना है।

डॉ अजय कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, IRDE ने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में रक्षा अनुसंधान एवं

विकास में युवा वैज्ञानिकों के कार्य की सराहना की। श्रीमती संथी ने नवाचार में युवा वैज्ञानिकों की भूमिका पर प्रकाश डाला और विभिन्न रक्षा परियोजनाओं में उनकी भागीदारी पर चर्चा की। डॉ दास ने युवा वैज्ञानिकों को रक्षा अनुसंधान का पथप्रदर्शक बताया और उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने में उनकी प्रतिबद्धता और समर्पण पर विश्वास जताया। अपने उद्घाटन संबोधन में डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने कहा कि इस तरह के आयोजन अगली पीढ़ी के वैज्ञानिकों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि इससे उन्हें अग्रणी विचारों का पता लगाने और रक्षा में तकनीकी उन्नति की सीमाओं को

आगे बढ़ाने के लिए एक मंच मिलता है।

डील के निदेशक एवं उत्कृष्ट वैज्ञानिक श्री मनोज कुमार ढाका ने समापन संबोधन दिया। डॉ अजय कुमार ने समापन समारोह के दौरान युवा वैज्ञानिकों से बातचीत भी की।

डीटीटीसी, लखनऊ में स्थापना दिवस समारोह

माननीय रक्षा मंत्री द्वारा 11 मार्च 2024 को रक्षा प्रौद्योगिकी एवं परीक्षण केंद्र (डीटीटीसी), लखनऊ का उद्घाटन किया गया। यह केंद्र अपनी नियोजित तकनीकी गतिविधियों के क्रियान्वयन के माध्यम से अपने अधिदेश को प्राप्त करने के लिए प्रगति और प्रयास कर रहा है। 11 मार्च 2025 को डीटीटीसी ने अपना पहला स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर, यांत्रिक कार्यशाला का उद्घाटन, वृक्षारोपण, पुरस्कार वितरण, और वेबिनार जैसी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। डीटीटीसी में कौशल विकास कार्यक्रम के तहत 'भारतीय एयरोस्पेस एवं रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्रः अगली पीढ़ी की कौशल चुनौतियाँ' नामक एक वेबिनार आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि, डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई ने किया। डॉ सुमन रॉय चौधरी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल, अंबरनाथ, तथा श्री एस के बर्वे, जीएम एचएएल (ASERDC), लखनऊ ने भी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। डीएमएसआरडीई के निदेशक ने डीटीटीसी को जरूरतमंद उद्योगों की पहचान करने और उन्हें अनुकूलित तकनीकी समाधान प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। तकनीकी सत्र में EDS, डसॉल्ट सिस्टम्स, ई–स्पिन टेक्नोलॉजीज, आईआईटी कानपुर, और डीटीटीसी के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने व्याख्यान दिया। अंत में डीएमएसआरडीई के निदेशक की अध्यक्षता में एक पैनल चर्चा आयोजित की गई।

एचईएमआरएल में स्थापना दिवस समारोह

उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे ने 3 मार्च 2025 को अपना 117वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर प्रतीक किशोर, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई) तथा मुख्य अतिथि आईएएस (सेवानिवृत्त) श्री चंद्रकांत दलवी थे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, निदेशक एचईएमआरएल, तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर की गई।

इस अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने डीएससी ग्राउंड पर वृक्षारोपण किया। एचईएमआरएल के सभी कर्मचारियों के लिए एक मधुर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर किशोर ने प्रयोगशाला की उपलब्धियों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली टीमों/व्यक्तियों को प्रशंसा तथा प्रेरणा के प्रतीक के रूप में डीआरडीओ प्रशस्ति प्रमाण–पत्र वितरित किए। डीआरडीओ में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले एचईएमआरएल कर्मचारियों को भी विशिष्ट अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

बॉक्स क्रिकेट, वॉलीबॉल, वॉकथॉन, डॉजबॉल, और महिलाओं के लिए विभिन्न खेल आयोजित किए गए। विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

पिनाका एमबीआरएल और ATAGS की सफलता बैठक

आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई), पुणे ने 30 अप्रैल 2025 को एमबीआरएल पिनाका रॉकेट लॉन्चर सिस्टम और एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (ATAGS) की सफलता बैठक का आयोजन किया।

दोनों प्रणालियों के अधिग्रहण के लिए अनुबंध किए गए हैं, जिसके बाद इन्हें सशस्त्र सेवाओं में शामिल किया जाएगा। डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति से इसकी शोभा बढ़ाई। पिनाका और ATAGS के सभी वर्तमान और सेवानिवृत्त टीम सदस्य अपने सामूहिक प्रयासों की सफल परिणति का जश्न मनाने के लिए मौजूद थे।

डॉ पीके मेहता, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई) सेवानिवृत्त; डॉ एसवी गाडे, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई) सेवानिवृत्त; श्री केजे डैनियल, वैज्ञानिक 'एच' एवं परियोजना निदेशक (पिनाका) सेवानिवृत्त; श्री केपीएस मूर्ति, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एचईएमआरएल सेवानिवृत्त; श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल सेवानिवृत्त; डॉ किशोर, महानिदेशक (एसीई); श्री एमवी रमेश कुमार, वैज्ञानिक 'एच' एवं एडी (पिनाका); तथा श्री आरपी पांडे, वैज्ञानिक 'एच' एवं एडी (ATAGS) इस अवसर पर उपस्थित थे।

डॉ मेहता ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा कि नई परियोजनाओं को पूरा करने की समयसीमा पहले की परियोजनाओं की तुलना में उत्तरोत्तर कम होती जा रही है, जो एक सकारात्मक विकास है। डॉ गाडे ने टिप्पणी की

कि 1990 के दशक के दौरान, आज की उन्नत तकनीक और बेहतर सुविधाओं की तुलना में सुविधाएं और संसाधन सीमित थे, श्री डेनियल ने इस बात पर जोर दिया कि इस परियोजना की विशेषता पारदर्शिता और हर चरण में पूरी टीम की सक्रिय भागीदारी है। कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने दोनों परियोजनाओं की सफलता पर अपने अनुभव साझा किए। श्री पांडे ने 2022 में स्वतंत्रता दिवस पर ATAGS की औपचारिक फायरिंग की अपनी यादें साझा कीं। उन्होंने स्वीकार किया कि ATAGS में शुरुआती बाधाएं थीं; हालांकि, टीम ने मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित किया और समर्पित प्रयासों के माध्यम से उन्हें हल किया। श्री ए राजू, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एआरडीई ने आयुध प्रणालियों के विकास में एआरडीई की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने डीआरडीओ और राष्ट्र को गौरवान्वित करने की दृष्टि से रक्षा के उभरते परिदृश्य को संबोधित करने वाली उन्नत प्रणालियों को विकसित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। डॉ कामत ने पूरी टीम को उनके प्रयासों और सेवाओं में प्रणालियों को सफलतापूर्वक शामिल करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि जैसे–जैसे रक्षा उद्योग परिपक्व होता जा रहा है, डीआरडीओ को उद्योग भागीदारों को उत्पादन जिम्मेदारियों को हस्तांतरित करते हुए अनुसंधान और विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

कार्यक्रम के समापन पर, सभी टीम के सदस्यों–सेवानिवृत्त और वर्तमान में सेवारत–को उनके बहुमूल्य योगदान के सम्मान में सम्मानित किया गया।

INS सागरध्वनि का नवीनीकरण

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडीआर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड, कोलकाता में INS सागरध्वनि की सामान्य नवीनीकरण (एनआर) की समीक्षा की। सामान्य नवीनीकरण मई 2024 में शुरू हुआ और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सचिव द्वारा जहाज की समीक्षा के बाद, जहाज जल्द ही परिचालन परीक्षण और वैज्ञानिक प्रयोग शुरू करेगा। अध्यक्ष के साथ डॉ चंद्रिका कौशिक, महानिदेशक (पीसी एंड एसआई); डॉ डी शेषागिरी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनपीओएल; एनपीओएल के वरिष्ठ वैज्ञानिक; और भारतीय नौसेना

अधिकारी मौजूद थे। यह किसी भी नौसेना जहाज के लिए मेसर्स जीआरएसई द्वारा किया गया पहला नवीनीकरण था।

INS सागरध्वनि, एक शोध पोत है, जिसका निर्माण मेसर्स गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड,

कोलकाता द्वारा नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), डीआरडीओ के लिए किया गया था। जहाज को 30 जुलाई 1994 को कमीशन किया गया था। भारतीय नौसेना डीआरडीओ के लिए इस जहाज का रखरखाव और संचालन करती है, जो दक्षिणी नौसेना कमान, कोच्चि में स्थित है। जहाज में सात प्रयोगशालाएँ हैं, जो उथले और गहरे पानी में समुद्र विज्ञान, मौसम विज्ञान, भूवैज्ञानिक, भूभौतिकीय, और ध्वनिक मापदंडों को मापने के लिए वैज्ञानिक उपकरणों से सुसज्जित हैं। जहाज में समुद्र विज्ञान और ध्वनिक उपकरणों को बांधने की सुविधा है।

एआर जहाज का स्टील कटिंग समारोह

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि के लिए निर्मित ध्वनिक अनुसंधान जहाज (एआरएस) के लिए स्टील कटिंग का कार्य 16 अप्रैल 2025 को गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड, कोलकाता में शुरू हुआ।

स्टील कटिंग समारोह, जो जहाज निर्माण परियोजना की शुरुआत का प्रतीक है, में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ उपस्थित थे। इस अवसर पर कमोडोर पीआर हरि, आईएन (सेवानिवृत्त), जीआरएसई के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक; डॉ चंद्रिका कौशिक, महानिदेशक (पीसीएंडएसआई); डॉ डी शेषागिरी, निदेशक, एनपीओएल; डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक; और जीआरएसई के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। 490.98 करोड़ रुपये मूल्य के एआरएस के लिए अनुबंध पर 29 अक्टूबर 2024 को जीआरएसई और डीआरडीओ–एनपीओएल के बीच हस्ताक्षर किए गए।

एआरएस, एक बार पूरा हो जाने पर, 93 मीटर लंबा, 18 मीटर चौड़ा और 9.8 मीटर गहरा होगा, जिसका सकल टन भार 5554 टन होगा। 12 समुद्री मील की गति प्राप्त करने के लिए डिजाइन किया गया, यह जहाज 120 कर्मियों को समायोजित कर सकता है। यह अत्याधुनिक जहाज एनपीओएल के लिए अंतर्जलीय ध्वनिक और समुद्र विज्ञान अनुसंधान गतिविधियों को करने के लिए एक गोंडोला, मून पूल, और ड्रॉप कील सहित अत्याधुनिक उपकरणों और सुविधाओं से लैस होगा। जहाज एक डायनेमिक पोजिशनिंग सिस्टम (DP–II) से लैस है। जहाज के तीन साल में डिलीवर होने की उम्मीद है।

डीएमआरएल में डॉ बीआर अंबेडकर और डॉ बाबू जगजीवन राम के योगदान का जश्न मनाया गया

14 अप्रैल, 2025 को रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल) एससी/एसटी कल्याण संघ द्वारा 'डॉ बीआर अंबेडकर जयंती' समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीएमआरएल के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ आर बालामुरलीकृष्णन उपस्थित थे। डॉ अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण करने के बाद, उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने समाज पर डॉ अंबेडकर के स्थायी प्रभाव और उनके कार्यों की निरंतर प्रासंगिकता पर विचार किया। इसके बाद, 25 अप्रैल, 2025 को डीएमआरएल में भारत रत्न डॉ बीआर अंबेडकर की 134वीं जयंती और डॉ बाबू जगजीवन राम की 117वीं जयंती बड़ी श्रद्धा के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम की शुरुआत डीएमआरएल एससी/एसटी कल्याण संघ के महासचिव श्री विक्रांत जे ताकसांडे के गर्मजोशी भरे स्वागत के साथ हुई। हैदराबाद स्थित उस्मानिया विश्वविद्यालय के कला एवं सामाजिक विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 सी कासिम ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। डॉ वेंकट, वैज्ञानिक 'एफ' एवं एससी/एसटी

संपर्क अधिकारी ने अपने संबोधन में डॉ अंबेडकर के असाधारण योगदान, विशेष रूप से भारत के संविधान को आकार देने में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। डीएमआरएल एससी/एसटी कल्याण संघ के अध्यक्ष श्री बी राम बाबू ने डॉ अंबेडकर और डॉ बाबू जगजीवन राम की चिरस्थायी विरासत के बारे में बताया। डॉ बालमुरलीकृष्णन ने डॉ अंबेडकर की समाज सुधारक के रूप में प्रशंसा की और समानता, सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने और भेदभाव को मिटाने की दिशा में उनके अथक प्रयासों पर विचार किया।

दोनों ही कार्यक्रम दो महान नेताओं की विरासत के लिए एक उपयुक्त श्रद्धांजलि थे, जिनका काम भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

मुख्य अतिथि प्रो0 सी कासिम ने डॉ अंबेडकर की शैक्षणिक और राजनीतिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिसमें भेदभाव, जातिवाद और अस्पृश्यता के खिलाफ उनके संघर्षों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

प्रोफेसर कासिम ने अपने संबोधन का समापन करते हुए सभी को हमारे देश की बेहतरी के लिए इन नेताओं द्वारा किए गए बलिदान के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में "समाज को लौटाओ" नारे को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इनमास के डेटा प्रबंधन सॉफ्टवेयर ESACHIV का शुभारंभ

डीआरडीएस कैडर के डेटा प्रबंधन के लिए नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली के ESACHIV पोर्टल (चरण 1) का शुभारंभ श्रीमती यू जेया संथी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर), डीआरडीओ मुख्यालय द्वारा 13 मई 2025 को इनमास के अपने दौरे के दौरान किया गया। महानिदेशक (एचआर) ने संगठनात्मक दक्षता और कर्मचारी अनुभव को बेहतर बनाने में डिजिटल नवाचार के महत्व पर प्रकाश डाला। इनमास के निदेशक ने महानिदेशक (एचआर) को प्रयोगशाला में चल रही गतिविधियों और प्रयोगशाला की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने और बढ़ाने में ESACHIV पोर्टल के प्रभाव से अवगत कराया। सॉफ्टवेयर को इनमास की संगठनात्मक गतिविधियों को विश्लेषण और निर्णय लेने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस के लिए डिजिटल बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। इसके बाद विकास टीम ने ESACHIV पोर्टल की विशेषताओं के बारे में बताया। चरण–1 में, पोर्टल इनमास के डीआरडीएस कैडर की अनुसंधान गतिविधियों और प्रदर्शन प्रबंधन को बढ़ाने पर केंद्रित है। अगले चरण में यही प्रणाली डीआरटीसी कैडर के लिए लागू की जाएगी।

एचईएमआरएल में अग्निशमन सेवा सप्ताह 2025

14–20 अप्रैल 2025 के दौरान पुणे स्थित उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल) में अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया गया। प्रयोगशाला में अग्नि सुरक्षा जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए और सभी कर्मचारियों को पिन बैज और कैलेंडर–2025 वितरित किए गए। 15 अप्रैल 2025 को आयोजित एफएसडब्ल्यू समारोह के मुख्य अतिथि सीफीस के निदेशक श्री अरविंद कुमार थे। एचईएमआरएल के कर्मचारियों ने बहादुर अग्निशामकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखा। प्रौद्योगिकी निदेशक, एसईडी ने पिछले वर्ष के दौरान एफएसडब्ल्यू गतिविधियों और अग्निशमन अनुभाग की प्रमुख उपलब्धियों का अवलोकन किया। निदेशक एचईएमआरएल ने सभा को संबोधित किया और अग्नि सुरक्षा संस्कृति के महत्व पर जोर दिया और कर्मचारियों से कार्यस्थल पर अग्नि सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया ताकि अग्नि सुरक्षा उल्लंघन के प्रति शून्य सहिष्णुता हो। उन्होंने उनसे प्रयोगशाला में हर दिन को दुर्घटना मुक्त दिन बनाने का आग्रह किया। अग्निशमन होज ड्रिल पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया और एचईएमआरएल के वैज्ञानिक ''एफ'' श्री सीताकांत बेहरा द्वारा एचईएमआरएल की आपदा प्रबंधन योजना पर व्याख्यान दिया गया।

ओपन डे फ्लैगशिप इवेंट में भागीदारी

बी एन एम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु ने 26 अप्रैल 2025 को नवाचार, रचनात्मकता, और अभियांत्रिकी उत्कृष्टता का जश्न मनाने के लिए एक ओपन डे फ्लैगशिप इवेंट आयोजित किया। महानिदेशक कार्यालय (ईसीएस) ने छात्रों, संकायों, पूर्व छात्रों, और उद्योग भागीदारों के विविध दर्शकों के लिए अत्याधुनिक उत्पादों और प्रौद्योगिकी नवाचारों का प्रदर्शन करने के लिए समारोह में भाग लिया। डॉ पीएस पांडियन, वैज्ञानिक 'जी' और उनकी टीम ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित ईसीएस क्लस्टर के उत्पाद 12 किलोवाट डायरेक्ट एनर्जी वेपन सिस्टम, CAMOP, एयर डिफेंस फायर कंट्रोल रडार (ADFCR), धराशक्ति ईडब्ल्यू सिस्टम, संचय–II सिस्टम, सारंग ईएसएम सिस्टम और थ्रु वॉल इमेजिंग रडार (TWIR) हैं।

कैरियर मार्गदर्शन एवं परामर्श मेला

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (DSGMC) द्वारा 16 मई 2025 को गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब, दिल्ली में "कैरियर मार्गदर्शन एवं परामर्श मेला" आयोजित किया गया। यह आयोजन युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें पेशेवर करियर की ओर मार्गदर्शन देने की पहल थी। डीएचआरडी, डीआरडीओ मुख्यालय के साथ–साथ डीपीआई ने भारतीय सेना, वायु सेना, नागरिक उड्डयन और विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। डीएचआरडी के प्रतिनिधियों ने छात्रों से बातचीत की और उन्हें "ज्वाइन डीआरडीओ" अभियान के तहत डीआरडीओ में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। डीआरडीओ द्वारा विकसित उत्पादों (आकाश, अग्नि, ब्रह्मोस, वरुणास्त्र और एईडब्लूएंडसी) के मॉडल डीआरडीओ के स्टॉल पर प्रदर्शित किए गए, जिससे बहुत से छात्रों ने डीआरडीओ में गहरी रुचि दिखाई। छात्रों में जागरूकता बढ़ाने और रक्षा में अनुसंधान एवं विकास के प्रति उनमें आकर्षण पैदा करने के लिए डीआरडीओ गीत और "ज्वाइन डीआरडीओ" वीडियो दिखाया गया।

मानव संसाधन विकास गतिविधियाँ

सॉफ्टवेयर विकास के लिए जनरेटिव एआई पर कार्यशाला

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून ने 24 अप्रैल 2025 को सॉफ्टवेयर विकास के लिए जनरेटिव एआई विषय पर कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में डील के सभी वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी शामिल हुए।

श्री भानु प्रताप सिंह, वैज्ञानिक 'जी' और रवि शंकर शर्मा, वैज्ञानिक 'ई' ने एआई प्रणाली के विभिन्न दृष्टिकोणों, प्रचलित लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) और कोडिंग कार्यों के लिए जनरेटिव एआई उपकरणों का उपयोग करने के विभिन्न तरीकों को शामिल करते हुए व्याख्यान दिए। इसके लिए, C, C++ और पायथन में कोड करने में मदद करने के लिए प्रशिक्षित मॉडल को प्रोजेक्ट नेटवर्क पर पोर्ट किया गया।

वायु सेना मानकीकरण अभ्यास-2025

वायु सेना मानकीकरण अभ्यास (AFSE) 2025 7–11 अप्रैल 2025 के दौरान 2 वायु सेना चयन बोर्ड, मैसूर में आयोजित किया गया।

आठ सेवा चयन बोर्डों (वायु सेना से पांच तथा सेना, नौसेना, और तटरक्षक बल से एक–एक) का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 50 मूल्यांकनकर्ताओं ने इस अभ्यास में भाग लिया। वैज्ञानिकों और सेवा अधिकारियों से युक्त रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), डीआरडीओ, दिल्ली की टीम ने इस अभ्यास के लिए तकनीकी मध्यस्थ के रूप में काम किया, जबकि सांख्यिकीय टीम ने डेटा को कुशलतापूर्वक संकलित करने के लिए निकट समन्वय में काम किया।

AFSE में एयर ऑफिसर–इन–चार्ज कार्मिक (AOP), निदेशक, डीआईपीआर, सभी पाँच वायु सेना चयन बोर्डों के अध्यक्ष और सेवा मुख्यालयों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

11 से 12 अप्रैल 25 तक आयोजित राष्ट्रपतियों के सम्मेलन में अधिकारी चयन प्रणाली के सभी तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

आईटीएम में प्रशासनिक एवं संबद्ध संवर्ग के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण पर पाठ्यक्रम

प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईटीएम), मसूरी द्वारा 21 अप्रैल 2025 से 2 मई 2025 तक वर्तमान मुख्य प्रशासनिक अधिकारियों (सीएओ) के प्रशासनिक एवं संबद्ध संवर्ग के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। श्री मनोज कुमार चिलकोटी, एसएओ–I पाठ्यक्रम निदेशक थे, और पाठ्यक्रम का उद्देश्य वर्तमान सीएओ को इस तरह से तैयार करना था कि वे विभिन्न प्रशासनिक–संबंधित पहलुओं को अधिक प्रभावी ढंग से संभाल सकें। डीआरडीओ के विभिन्न क्लस्टरों से कुल 18 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

पाठ्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीमती यू जेया संथी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर) ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया, और श्री एसपी डोभाल, निदेशक, आईटीएम ने पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी दी और आईटीएम के इतिहास और कर्तव्यों के चार्टर पर प्रकाश डाला। आईटीएम के निदेशक ने पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को संबोधित किया और परियोजना प्रबंधन में प्रशासन और संबद्ध कैडर की भागीदारी, परियोजनाओं की ऑडिट आपत्तियों के उत्तर आदि पर जोर दिया।

डॉ जगन्नाथ नायक, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, चेस ने पाठ्यक्रम के समापन समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने पाठ्यक्रम प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और पाठ्यक्रम पर उनके विचार प्राप्त किए। पाठ्यक्रम निदेशक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ पाठ्यक्रम का समापन हुआ।

आईटीएम में केस स्टडी लिखने पर कार्यशाला

प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईटीएम), मसूरी द्वारा 8–9 अप्रैल 2025 के दौरान भारतीय प्रबंधन संस्थान, विशाखापत्तनम (आईआईएमवी) के सहयोग से केस स्टडी लिखने पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के कुल 30 वरिष्ठ वैज्ञानिक शामिल हुए। कार्यशाला का उद्देश्य वैज्ञानिकों को संरचित केस स्टडी के माध्यम से परियोजना के अनुभव को दस्तावेजित करने और संप्रेषित करने के कौशल से लैस करना था, जो चुनौतियों, कार्यप्रणाली और नवाचारों को उजागर करते हैं और संगठनात्मक ज्ञान को सुव्यवस्थित और उपयोग करने के लिए महत्वपूर्ण सीख देते हैं।

कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ अजय कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईआरडीई, तथा डॉ डीके पांडा, वैज्ञानिक 'जी' एवं कार्यवाहक निदेशक, आईटीएम ने किया। मुख्य अतिथि ने इन–हाउस केसों के महत्व पर विचार–विमर्श किया, जिनका उपयोग शिक्षण उपकरण के रूप में किया जा सकता है। कार्यशाला में केस चयन, तैयारी, शिक्षण नोट्स और मूल्यांकन के विभिन्न तत्वों को शामिल किया गया, ताकि इन मामलों को केस–आधारित शिक्षण की कक्षा में लागू किया जा सके। आईआईएमवी की सहायक प्रोफेसर प्रो. दीपिका आर गुप्ता ने कार्यशाला के दौरान सत्रों का संचालन किया, जिसकी प्रतिभागियों ने बहुत सराहना की।

कार्यशाला का समापन मुख्य अतिथि डॉ जी राजा सिंह थंगादुरई, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम निदेशक, पीजे–10 डीआरडीएल के समापन भाषण के साथ हुआ।

आईटीएम में आवश्यक प्रबंधन कौशल पर विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईटीएम), मसूरी द्वारा 17–28 मार्च 2025 के दौरान नव पदोन्नत वैज्ञानिक 'जी' के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक प्रबंधन कौशल पर विशेष प्रशिक्षण (एसटीईएमएस–24) का आयोजन किया गया। डॉ डीके पांडा, वैज्ञानिक 'जी' पाठ्यक्रम निदेशक थे। पाठ्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिकों को नेतृत्व उत्कृष्टता, अनुसंधान एवं विकास प्रबंधन, रणनीतिक प्रबंधन और डीआरडीओ के कॉर्पोरेट कार्यों के प्रति उन्मुख करना था। डीआरडीओ के विभिन्न क्लस्टरों से कुल 99 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। पाठ्यक्रम का उद्घाटन 17 मार्च 2025 को डीपीएंडसी के निदेशक डॉ सुमित गोस्वामी ने किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में अपने अनुभव साझा किए और डीपीएफएम के प्रावधानों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर प्रतीक किशोर, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई) ने समापन समारोह के दौरान पाठ्यक्रम प्रतिभागियों के साथ बातचीत की।

एनआईटी-जालंधर में डीजीआरई आउटरीच कार्यक्रम

रक्षा भूसूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़ ने 25 अप्रैल 2025 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), जालंधर में एक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया। डीजीआरई टीम ने एनआईटी, जालंधर के डीन, संकाय और छात्रों के साथ बातचीत की। डीजीआरई की विभिन्न तकनीकों, जैसे हिमस्खलन पूर्वानुमान, नियंत्रण और मानचित्रण, और शमन के बारे में छात्रों को जानकारी दी गई। साथ ही, भविष्य के सहयोगी अनुसंधान के लिए प्रौद्योगिकी क्षेत्रों पर संकाय सदस्यों के साथ चर्चा की गई। सभी इलाकों में रोबोटिक वाहनों, मजबूत इंस्ट्रूमेंटेशन, वीआर/आईआर आदि के लिए प्रौद्योगिकियों के विकास पर चर्चा की गई। छात्रों और संकाय सदस्यों ने डीजीआरई के प्रयासों की सराहना की।

विदेशी पत्तेदार सब्जियों की खेती पर प्रौद्योगिकी प्रदर्शन

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर द्वारा 28–30 अप्रैल 2025 के दौरान अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी कामेंग जिले के कलाकटांग ब्लॉक के अंतर्गत भारत–भूटान सीमा पर स्थित सुदूर सीमावर्ती गांवों में 'अरुणाचल प्रदेश के सुदूर गांवों में आधुनिक कृषि–प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन' नामक एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन आयोजित किया गया। लाभार्थी किसानों को विदेशी पत्तेदार सब्जियों की खेती और गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री उगाने की तकनीकों पर प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।

इनमास में विशेष सीबीआरएन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

7–11 अप्रैल 2025 के दौरान 74 इंडो–तिब्बत बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) अधिकारियों और कर्मियों के लिए दिल्ली के नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) में सीबीआरएन आपातकालीन प्रबंधन पर एक चार दिवसीय विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। पाठ्यक्रम में सीबीआरएन एजेंटों और उनके

स्वास्थ्य संबंधी खतरों को समझने, महत्वपूर्ण उपकरणों के व्यावहारिक प्रदर्शन और चिकित्सा प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया। संकाय ने संवादात्मक केस स्टडीज, सीबीआरएन घटना परिदृश्यों और टेबलटॉप अभ्यासों के माध्यम से सीखने की सुविधा प्रदान की। संपूर्ण बॉडी काउंटर, रेडियोलॉजिकल एजेंट डिटेक्टर, सुरक्षात्मक गियर, सीबीआरएन रिमोटली ऑपरेटिंग वाहन– दक्ष, मानव रहित हवाई वाहन– नेत्र और अल्ट्रास्वच्छ श्रृंखला उपकरण जैसे महत्वपूर्ण उपकरणों के उपयोग पर व्यावहारिक प्रदर्शन आयोजित किए गए।

पुणे में एडवांस्ड लेग्ड रोबॉटिक्स पर राष्ट्रीय कार्यशाला 2025

8 मई 2025 को पुणे में एडवांस्ड लेग्ड रोबॉटिक्स पर राष्ट्रीय कार्यशाला (NWALR–2025) का उद्घाटन डॉ जी सतीश रेड्डी, आंध्र प्रदेश सरकार के मानद सलाहकार और डीआरडीओ के पूर्व अध्यक्ष द्वारा किया गया। तीन दिवसीय इस कार्यशाला का आयोजन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (इंजीनियर्स), पुणे द्वारा किया गया, जो रोबोटिक प्रणालियों में विशेषज्ञता रखने वाली एक प्रमुख डीआरडीओ प्रयोगशाला है, जिसने COEP टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के सहयोग से, इंडियन सोसाइटी ऑफ सिस्टम्स फॉर साइंस एंड इंजीनियरिंग (ISSSE), पुणे चैप्टर के तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन किया।

8 से 10 मई, 2025 तक आयोजित इस कार्यशाला में डीआरडीओ, इसरो, परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE) और सशस्त्र बलों सहित विभिन्न वैज्ञानिक और रणनीतिक संस्थानों के 300 से अधिक प्रतिभागियों के साथ–साथ उद्योग और शिक्षा जगत के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

कार्यशाला में तकनीकी सत्र, मुख्य व्याख्यान, लाइव प्रदर्शन, और पैनल चर्चाएं शामिल थीं, जिनमें अनुकूली गति नियंत्रण, एआई–आधारित भूभाग नेविगेशन, ऊर्जा–कुशल क्रियान्वयन और मल्टी–लेग्ड रोबोटिक प्लेटफार्मों के डिजाइन जैसे विषयों को शामिल किया गया।

एनपीओएल में मानसिक स्वास्थ्य पर आमंत्रित वार्ता

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने 2 अप्रैल 2025 को डॉ अनिल कुमार टीवी, प्रोफेसर एवं एचओडी, सरकारी मेडिकल कॉलेज कलमस्सेरी, कोच्चि द्वारा 'कार्यस्थल और घर पर स्वास्थ्य का ध्यान' विषय पर आमंत्रित वार्ता का आयोजन किया। कार्य समिति के सचिव श्री टिंटो चाको, तकनीशियन 'बी' ने सभा का स्वागत किया। यह वार्ता मानसिक स्वास्थ्य, विशेष रूप से खुशहाल जीवन जीने की कुंजी पर एक विस्तृत चर्चा थी। डॉ अनिल कुमार ने मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छे पोषण, नियमित व्यायाम, अच्छी नींद, परिवार, दोस्तों, और प्रकृति के साथ समय बिताने की आवश्यकता के बारे में बताया। डॉ डी शेषगिरी, वैज्ञानिक 'एच' एवं निदेशक, एनपीओएल ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। श्रीमती रेमादेवी, वैज्ञानिक 'जी' एवं एनपीओएल कार्य समिति की अध्यक्ष ने कार्यक्रम के संचालन का समन्वय किया।

रचना - डीएमआरएल की हिंदी पत्रिका का विमोचन

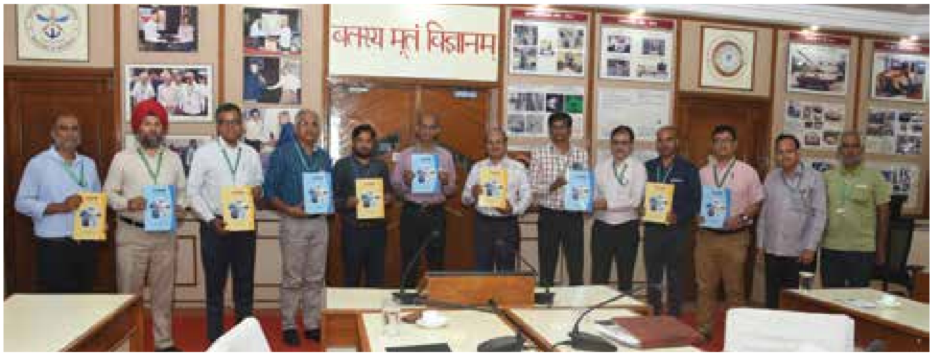

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 26 मार्च, 2025 को वित्त वर्ष 2024–25 के लिए चौथी राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ओएलआईसी) बैठक आयोजित की। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण डीएमआरएल के निदेशक एवं ओएलआईसी के अध्यक्ष डॉ आर बालामुरलीकृष्णन द्वारा राजभाषा गृह पत्रिका 'रचना' के 2024 संस्करण का विमोचन था। इस वर्ष के विमोचन में पत्रिका के 'तकनीकी विशेषांक' का भी शुभारंभ हुआ, जो रचना के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

तकनीकी अंक प्रयोगशाला के विशेषज्ञता के क्षेत्रों से संबंधित तकनीकी लेखों को प्रकाशित करने के लिए एक समर्पित मंच के रूप में काम करेगा और इसका उद्देश्य मुख्य प्रकाशन का पूरक होना है। डॉ बालामुरलीकृष्णन ने विमोचन पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और इस बात पर जोर दिया कि इस पहल को पाठकों द्वारा खूब सराहा जाएगा, जिससे राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए अधिक उत्साह पैदा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने प्रकाशन से जुड़े टीम को बधाई दी और सभी योगदान देने वाले लेखकों को व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद दिया। राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी प्रकाशन के जश्न में शामिल हुए।

बैठक के दौरान पिछली तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा की गई और आगे के कार्यान्वयन के लिए भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई।

आईटीएम में राजभाषायी निरीक्षण

- प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम) में 02 मई 2025 को राजभाषा की प्रगति का जायजा लेने के लिए मुख्यालय के संपर्क एवं सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत राजभाषायी निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर संसदीय कार्य, राजभाषा तथा संगठन पद्धति निदेशालय से श्री सुनील शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक तथा श्री सुजीत मेहता, सहायक निदेशक (रा॰भा॰) उपस्थित थे। बैठक के प्रारम्भ में श्री सुधीर कुमार उप्रेती, उप–निदेशक (रा॰भा॰) ने श्री सुनील शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, श्री सुजीत मेहता, सहायक निदेशक (रा॰भा॰) एवं उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया।

संस्थान की ओर से श्री सत्य प्रकाश डोभाल, निदेशक, आईटीएम तथा सभी समूह/विभाग प्रमुख उपस्थित थे। श्री सुजीत मेहता, सहायक निदेशक (रा॰भा॰) ने राजभाषायी निरीक्षण हेतु संस्थान द्वारा भरी गई निरीक्षण प्रश्नावली के सभी बिन्दुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की तथा कुछ कारगर सुझाव दिए।

अन्त में श्री सत्य प्रकाश ड़ोभाल, निदेशक, आईटीएम ने श्री सुनील शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक तथा श्री सुजीत मेहता, सहायक निदेशक (रा॰भा॰) को उनके द्वारा दिए गए बहुमूल्य सुझावों एवं मार्गदर्शन के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया तथा उन्हें संस्थान के स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

- 10 मई 2025 को आईटीएम का संसदीय राजभाषा समिति द्वारा निरीक्षण एल पी विलास, देहरादून में किया गया। निरीक्षण के समय डॉ दिनेश शर्मा, एमपी, राज्यसभा एवं संयोजक; श्रीमति माला राजलक्ष्मी शाह, एमपी, लोकसभा; श्री रामचन्द्रा जांगड़ा एमपी, राज्यसभा; श्री सतपाल ब्रह्मचारी एमपी, लोकसभा; श्री विश्वेशवर हेगड़े कागरी, एमपी, लोकसभा; श्री किशोरी लाल, एमपी, लोकसभा; श्री प्रेम नारायण, सचिव समिति; श्री इरफान अहमद खान, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी; श्री अनूप साव अनुभाग अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यालय की ओर से श्री राकेश मित्तल संयुक्त सचिव, रक्षा मंत्रालय; श्रीमती दीपाली प्र॰ चव्हाण, निदेशक (रा॰भा॰), रक्षा मंत्रालय; श्री सुनील शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक संसदीय कार्य राजभाषा तथा संगठन पद्धती निदेशालय, श्री सुजीत कुमार मेहता, सहायक निदशक (रा॰भा॰) उपस्थित थें।

आईटीएम की ओर से श्री सत्य प्रकाश डोभाल, निदेशक, डॉ ए गौरव राव, वैज्ञानिक 'ई', श्री सुधीर कुमार उप्रेती, उपनिदेशक (रा॰भा॰) उपस्थित थें।

निदेशक आईटीएम ने सभी माननीय सदस्यों का स्वागत किया तथा आईटीएम के बारे में संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात निरीक्षण की कार्रवाई प्रारंम्भ हुई। माननीय सदस्यों द्वारा निरीक्षण के दौरान कुछ कारगार सुझाव दिए गए, जिन पर निदेशक महोदय द्वारा सहमति व्यक्त की गई तथा भविष्य में राजभाषा कार्यान्वयन को और अधिक सार्थक रुप देने का आश्वासन दिया गया।

निरीक्षण के अंत में डॉ दिनेश शर्मा, संयोजक प्रथम उप समिति द्वारा श्री सत्य प्रकाश डोभाल, निदेशक आईटीएम को निरीक्षण प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया। जिसमें समिति द्वारा संस्थान में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग व कार्यान्वयन को अच्छा पाया गया।

उच्च योग्यता अर्जन

दिल्ली के नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) के वैज्ञानिक 'एफ' श्री विनोद कुमार को 9 अप्रैल 2025 को गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू), नई दिल्ली से "स्टडीज ऑन रेडियोआइसोटोप रिमूवल एफिसेंसी ऑफ ए कॉम्बिनेशन ऑफ टाइटेनेट नैनोट्यूब एंड पॉलियामाइड रिवर्स ऑस्मोसिस मेम्ब्रेन" शीर्षक वाली उनकी थीसिस के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

एलआरडीई वार्षिक खेलकूद 2025

9–11 अप्रैल 2025 तक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), बेंगलुरु में वार्षिक खेलकूद कार्यक्रम 2025, आयोजित किया गया, जो स्वास्थ्य, सौहार्द, और प्रतिस्पर्धी भावना का एक भव्य और जीवंत उत्सव था। इस कार्यक्रम में विभिन्न पदनामों और विभागों के एलआरडीई कर्मियों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखी गई, जो खेल के माध्यम से समग्र कल्याण और टीम–निर्माण के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्य अतिथि, श्री गम्पाला विश्वम, निदेशक, एलआरडीई ने इस अवसर पर भाग लिया और आधिकारिक तौर पर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह की शुरुआत आह्वान समारोह के साथ हुई, जिसके बाद उत्सव की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए प्रतीकात्मक दीप प्रज्वलन किया गया।

तीन दिनों की अवधि में सभी उम्र और रैंक के प्रतिभागियों के लिए खेल और मनोरंजक कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला आयोजित की गई। एलआरडीई वार्षिक खेलकूद 2025 एक शानदार सफलता रही, जिसका श्रेय आयोजन समिति द्वारा की गई बेहतरीन योजना और समन्वय तथा 3 दिनों में लगभग 200–250 कर्मचारियों की शानदार भागीदारी को जाता है। यह आयोजन सभी आयु समूहों और श्रेणियों के कर्मचारियों की भारी उपस्थिति और उत्साही भागीदारी के लिए उल्लेखनीय रहा। खेलकूद प्रतियोगिता का समापन पूर्णता, आनंद और एकजुटता की भावना के साथ हुआ, जो अनुशासन समर्पण और दृढ़ संकल्प के मूल्यों को प्रतिध्वनित करता है, जिसका एलआरडीई प्रतीक है।

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में आगंतुक

सीवीआरडीई, चेन्नई

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 17 मई 2025 को चेन्नई के संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास संस्थापन (सीवीआरडीई) का दौरा किया और अवाडी में ऑटोमोटिव एवं हथियार प्रणाली परीक्षण केंद्र (एडब्ल्यूटीसी) का उद्घाटन किया। डॉ प्रतीक किशोर, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई), डॉ मनु कोरुल्ला, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (आरएंडएम), श्री जे राजेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक सीवीआरडीई, डॉ बिश्वजीत चौबे, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक, डीसीडब्ल्यूई ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। उद्घाटन के दौरान, डीआरडीओ अध्यक्ष ने बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए विश्व स्तरीय परीक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए सीवीआरडीई परियोजना टीम और सीसी आरएंडडी टीम के प्रयासों की सराहना की।

इसके अलावा, गणमान्य व्यक्तियों ने सीवीआरडीई परिसर में भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के स्मारक का अनावरण किया और कलाम की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। चेयरमैन के दौरे के दौरान समर्पित इंजन परीक्षण सुविधा का भी उद्घाटन किया गया और परीक्षण सुविधाओं की विभिन्न विशेषताओं के बारे में डीआरडीओ प्रतिनिधियों को जानकारी दी गई।

डॉ समीर वी कामत ने सीवीआरडीई, चेन्नई के दौरे के दौरान ''इंजन प्रौद्योगिकी केंद्र'' का उद्घाटन किया।

डील, देहरादून

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 7 मई 2025 को रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून का दौरा किया। उनका स्वागत डॉ बीके दास, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (ईसीएस), श्री एलसी मंगल, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (टीएम), तथा श्री मनोज कुमार ढाका, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डील ने किया। डील के इतिहास, उत्पादों, तकनीकी प्रगति और आगे की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए एक प्रस्तुति भी दिखाई गयी। डील ने चल रही परियोजना गतिविधियों और SDR-TAC, SDR-NC, SDR–एयरबोर्न, नेवल हैंडहेल्ड SDR, आर्मी मैनपैक, नेवल मैनपैक और CTCS का लाइव प्रदर्शन किया।

डॉ कामत ने प्रयोगशाला के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने अत्याधुनिक उत्पादों के विकास में डील कर्मचारियों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना भी की।

श्री मनोज कुमार ढाका ने डील, देहरादून के दौरे के दौरान डॉ समीर वी कामत का अभिनंदन किया।

डीजीआरई, चंडीगढ़

14वीं बटालियन एनडीआरएफ, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश की टीम ने 25 अप्रैल 2025 को रक्षा भूसूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), आरडीसी मनाली का दौरा किया। एनडीआरएफ के अधिकारियों, निरीक्षकों और ओआर को बर्फ से जुड़े खतरों, हिमस्खलन के खतरों, बर्फ–मौसम संबंधी डेटा उपकरणों और उनके संचालन संबंधी कामकाज, AWS, और हिमस्खलन पूर्वानुमान के लिए डेटा ट्रांसमिशन के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें विभिन्न हिमस्खलन सुरक्षा–बचाव प्रक्रियाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

डीजीआरई, चंडीगढ़ में 14वीं बटालियन एनडीआरएफ की टीम का दौरा

डीएमआरएल, हैदराबाद

● 1 अप्रैल, 2025 को, रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने नौसेना बेस, कोच्चि के नौसेना वैमानिकी प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएटी) के एक निर्देशन स्टाफ के साथ 10 वायु तकनीकी अधिकारियों के लिए एक औद्योगिक दौरे की मेजबानी की। दौरे की शुरुआत एक परिचयात्मक वीडियो के साथ हुई, जिसमें डीएमआरएल की यात्रा, अनुसंधान विषयों और महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियों को दिखाया गया। डॉ आशीष पाठक, वैज्ञानिक 'ई' ने सभा को संबोधित किया, प्रयोगशाला की प्रमुख उपलब्धियों और रक्षा प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने में अनुसंधान संस्थानों और तीनों सेनाओं के बीच सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

अपने दौरे के दौरान, अधिकारियों ने प्रयोगशाला के अत्याधुनिक अनुसंधान, उत्पादों और प्रौद्योगिकियों में गहरी रुचि दिखाते हुए डीएमआरएल वैज्ञानिकों के साथ गहन विचार–विमर्श किया।

यह दौरा एक अमूल्य शिक्षण अनुभव के रूप में कार्य करेगा, जिससे अधिकारियों को धातुकर्म अनुसंधान में नवीनतम तकनीकी प्रगति का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ और उन्हें डीएमआरएल के व्यापक अनुसंधान प्रयासों में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि से लैस किया गया, जो अंततः देश की रक्षा क्षमताओं का समर्थन और संवर्धन करेंगे।

नवल इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोनॉटिकल टेक्नोलॉजी, नेवल बेस, कोच्चि के एयर टेक्निकल ऑफिसर्स, डीएमआरएल, हैदराबाद में अपने दौरे के दौरान

● 2 अप्रैल, 2025 को, रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने पेट्रोलियम और ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय (यूपीईएस), देहरादून के चार संकाय सदस्यों के साथ 52 छात्रों के लिए एक आकर्षक औद्योगिक यात्रा की मेजबानी की।

डॉ सरबजीत सिंह, वैज्ञानिक 'एफ', प्रमुख तकनीकी समन्वय समूह ने सभी को संबोधित किया, डीएमआरएल की प्रमुख उपलब्धियों का अवलोकन प्रदान किया और चल रहे अनुसंधान के महत्व को रेखांकित किया।

इस यात्रा के दौरान, छात्रों ने कई प्रमुख तकनीकी प्रभागों का

दौरा लगाया। उन्हें डीएमआरएल के अत्याधुनिक अनुसंधान, बुनियादी ढांचों और चल रहे तकनीकी विकास के बारे में व्यावहारिक जानकारी मिली। डीएमआरएल के वैज्ञानिकों की टीम के साथ संवादात्मक चर्चाओं में शामिल होकर, छात्रों ने प्रयोगशाला के अग्रणी अनुसंधान, उत्पादों और प्रौद्योगिकियों में गहरी रुचि दिखाई। छात्रों और संकाय सदस्यों दोनों ने रक्षा अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण सामग्रियों को आगे बढ़ाने में डीएमआरएल के योगदान के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की।

डीएमएसआरडीई, कानपुर

- माननीय सांसद एवं रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री राधा मोहन सिंह ने 22 अप्रैल 2025 को रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर का दौरा किया। डीएमएसआरडीई के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ मयंक द्विवेदी ने गणमान्य अतिथि का स्वागत किया तथा उन्हें प्रयोगशाला के विजन, मिशन, चार्टर, और प्रौद्योगिकी केंद्रित क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने डीएमएसआरडीई मुख्य द्वार पर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

- श्री रविनेश कुमार, आईडीएएस, पीसीडीए (आरएंडडी) ने 22 अप्रैल 2025 को रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर का दौरा किया। डीएमएसआरडीई के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ मयंक द्विवेदी द्वारा डीएमएसआरडीई की चल रही अनुसंधान गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई, जिसके बाद सिरेमिक, सिरेमिक मैट्रिक्स कंपोजिट (CMC), स्टील्थ एवं कैमोफ्लेज सामग्री, नैनोमटेरियल, कोटिंग्स, पॉलिमर, रबर, टेक्सटाइल, ईंधन, तरल पदार्थ, स्नेहक

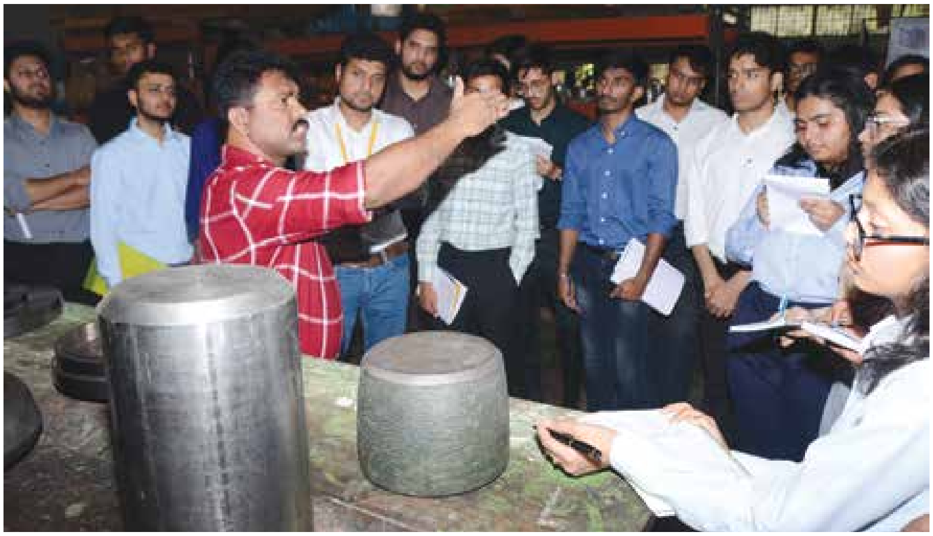

डीएमआरएल, हैदराबाद में यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून के छात्रों का औद्योगिक दौरा

श्री राधा मोहन सिंह, माननीय सांसद, डीएमएसआरडीई के निदेशक और डीएमएसआरडीई, कानपुर में वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ

डॉ मयंक द्विवेदी डीएमएसआरडीई, कानपुर में श्री रविनेश कुमार को सम्मानित करते हुए

और व्यक्तिगत सुरक्षा प्रणालियों के क्षेत्र में डीएमएसआरडीई द्वारा विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों पर चर्चा और प्रदर्शन किया गया।

डीटीटीसी, लखनऊ

20 मार्च 2025 को बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के पैंतालीस स्नातकोत्तर विद्वानों और संकाय सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा प्रौद्योगिकी एवं परीक्षण केंद्र (डीटीटीसी), लखनऊ का औद्योगिक दौरा किया। इस यात्रा का उद्देश्य रक्षा प्रौद्योगिकी में प्रगति और इस क्षेत्र में प्रौद्योगिकी–संचालित स्टार्टअप को बढ़ावा देने में डीटीटीसी की भूमिका के बारे में जानकारी प्रदान करना था। प्रतिनिधिमंडल को डॉ आशीष दुबे, वैज्ञानिक 'एफ' एवं परियोजना निदेशक तथा श्री अमित कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' ने रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों के बारे में संबोधित किया और इस क्षेत्र में स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने में डीटीटीसी द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान के बारे में विस्तार से बताया। समूह को डीटीटीसी की अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं का विस्तृत दौरा कराया गया जिसमें मॉडलिंग और सिमुलेशन में अत्याधुनिक तकनीकों से लैस एमईडीएस प्रयोगशाला, ईडीएस प्रयोगशाला, एमडीएस प्रयोगशाला और सीटी प्रयोगशाला शामिल हैं।

इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल ने डीटीटीसी, नादरगंज परिसर में इनक्यूबेशन और औद्योगिक सहायता भवन का भी दौरा किया। यह सुविधा रक्षा–संबंधी परियोजनाओं के लिए विनिर्माण, प्रोटोटाइपिंग और औद्योगिक सहयोग का समर्थन करेगी ।

डीटीटीसी, लखनऊ में अपने दौरे के दौरान बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ का प्रतिनिधिमंडल

आईआरडीई, देहरादून

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 7 मई 2025 को यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई) का दौरा किया। उनका स्वागत विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (ईसीएस) डॉ बीके दास तथा आईआरडीई के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ अजय कुमार ने किया। डॉ अजय कुमार ने आईआरडीई द्वारा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में की गई प्रमुख अनुसंधान एवं विकास पहलों और आईआरडीई में विकसित प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न उत्पादों के बारे में भी जानकारी दी जिन्हें विकसित किया गया है और सेवाओं में शामिल कर लिया गया है। डॉ अजय कुमार ने भविष्य की प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों के बारे में भी जानकारी दी जिसमें आईआरडीई विकास कार्य का नेतृत्व कर रहा है। डॉ. कामत ने अत्याधुनिक प्रणालियों के विकास में आईआरडीई के प्रयासों की सराहना की।

आईआरडीई डायमंड जुबली गैलरी का एक निर्देशित दौरा भी आयोजित किया गया। डॉ अजय कुमार ने डॉ कामत को गैलरी की विशेषताओं के बारे में विस्तार से बताया और प्रौद्योगिकी क्षेत्र दिखाया जिसमें भविष्य के रोडमैप और प्रणालियों के

आईआरडीई, देहरादून द्वारा प्रदर्शित अत्याधुनिक उत्पादों को देखते हुए डॉ समीर वी कामत

साथ–साथ सभी प्रौद्योगिकी संबंधित विशिष्ट क्षेत्र प्रदर्शित किए गए हैं। डॉ. अजय कुमार ने सिस्टम एरिया के बारे में भी बताया, जहां पुराने समय के सभी उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। डॉ कामत, डाउन–द–मेमोरी लेन को देखकर अभिभूत हो गए। पिछले वर्षों के उत्पाद प्रदर्शन, भविष्य के रोडमैप और सिस्टम के साथ सभी प्रौद्योगिकी वर्टिकल का प्रदर्शन डाउन–द–मेमोरी लेन में किया गया। उन्होंने गैलरी में 'लैब वाउ मोमेंट्स' और 'वॉल ऑफ ऑनर' भी देखा। वे प्रयोगशाला द्वारा विकसित किए जा रहे उत्पादों और प्रणालियों से बेहद खुश थे।

एसएसपीएल, दिल्ली

पार्लिआमेंट्री स्टैंडिंग कमिटी ऑन डिफेंस (SCOD) ने 12 अप्रैल 2025 को ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल), दिल्ली का दौरा किया। श्री राधा मोहन सिंह, सांसद एवं अध्यक्ष, SCOD के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल का डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ; सुश्री सुमा वर्गीस विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक एमसीसी; तथा डॉ मीना मिश्रा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एसएसपीएल द्वारा स्वागत किया गया। प्रतिनिधिमंडल को सेंसर, SWIR, MWIR, SiC वेफर्स, और GaN RF MMIC जैसे क्षेत्रों में उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन दिया गया।

प्रदर्शनी में एसएसपीएल की दशकवार वृद्धि पर भी प्रकाश डाला गया। प्रतिनिधिमंडल ने देश में उच्च श्रेणी की सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकियों को स्वदेशी बनाने में एसएसपीएल के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने प्रयोगशाला के महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया और भविष्य के प्रयासों के लिए पूर्ण सरकारी समर्थन का आश्वासन दिया।

एसएसपीएल, दिल्ली में उत्पादों और प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति

एनएमआरएल, अंबरनाथ

आरएडीएम चेतन चंदेगवे, भारतीय नौसेना के फ्लैग ऑफिसर सबमरीन, ने 6 मई 2024 को नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ का दौरा किया। डॉ सुमन रॉय चौधरी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल ने आरएडीएम चंदेगवे का स्वागत किया। इस दौरे का उद्देश्य एनएमआरएल द्वारा विकसित एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) प्रणाली से लैस प्रोजेक्ट–75 पनडुब्बियों को शामिल करने और बनाए रखने में सहायता के लिए देश भर के विभिन्न नौसेना डॉकयार्ड में बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं पर विचार–विमर्श करना था। दौरे के दौरान आरएडीएम चंदेगवे ने एआईपी प्रणाली के भूमि–आधारित प्रोटोटाइप (एलबीपी) साइट का दौरा किया, और इसकी परिचालन क्षमताओं और पारंपरिक पनडुब्बियों की अंतर्जलीय सहनशक्ति बढ़ाने में एनएमआरएल द्वारा हासिल की गई तकनीकी प्रगति के बारे में जानकारी हासिल की।

एनएमआरएल, अंबरनाथ में अपने दौरे के दौरान आरएडीएम चेतन चंदगेव

वीआरडीई, अहमदनगर

डीजी (सीई) मेजर जनरल हरपाल सिंह, वीएसएम और आईएसडब्ल्यूजी (सीबीआरएन) के प्रतिनिधियों ने ई–इन–सी की शाखा, डीजीएमएस (सीबीआरएन), भारतीय नौसेना एनबीसीडी स्कूल नौसेना मुख्यालय, सीबीआरएन सुरक्षा संकाय, डीजीक्यूए पुणे, मेट शाखा/द्वितीय विंग वायु मुख्यालय, सी/ओ 475 इंजीनियर ब्रिगेड से 8 अप्रैल 2025 को वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (वीआरडीई), अंबरनाथ का दौरा किया, जहां उन्होंने सीबीआरएन रेकी और डीकंटैमिनेशन के क्षेत्र में वीआरडीई द्वारा विकसित विभिन्न उत्पादों के प्रदर्शन पर चर्चा की और उनका प्रदर्शन देखा।

वीआरडीई ने सीबीआरएन आरवी (टीआर) मार्क–II, सीबीआरएन आरवी (डब्ल्यूएच), एमपीडीएस, सीबीआरएन यूजीवी और आरकेएडी का प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान, इन प्रणालियों/उत्पादों के डिजाइन और विकास में शामिल वैज्ञानिकों के साथ चर्चा की गई। साथ ही, डीजी (सीई) ने स्वयं सीबीआरएन आरवी (डब्ल्यूएच) चला कर देखा और वाहन के प्रदर्शन की सराहना की।

वीआरडीई द्वारा विकसित विभिन्न प्रौद्योगिकियों/प्रणालियों पर प्रकाश डालते हुए एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई। महानिदेशक (सीई) ने सीबीआरएन तैयारियों के लिए उत्पादों को लाने के लिए प्रयासों में तालमेल बिठाने और सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। वीआरडीई के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक श्री जीआरएम राव ने आश्वासन दिया कि उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं के अनुरूप

गुणवत्तापूर्ण प्रणालियों का विकास सुनिश्चित करने के लिए महानिदेशक (सीई) द्वारा लिए गए निर्णयों और निर्देशों के अनुसार समय पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

वीआरडीई, अहमदनगर में अपने दौरे के दौरान डीजी (सीई) मेजर जनरल हरपाल सिंह वीआरडीई उत्पादों में गहरी रुचि लेते हुए

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:
director.desidoc@gov.in; drdonl.desidoc@gov.in
दूरभाष: 011-23902403, 23902472, फैक्स: 011-23819151

डेसीडॉक, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली–110 054 द्वारा प्रकाशित